मानसून सत्र आज से

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

रूस के समुद्री तट पर 7.4, 6.7 तीव्रता के दो बड़े भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 208 | रायपुर | सोमवार 21 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

कावड़ियों पर पुष्प वर्षा के बाद गरजे योगी

यूपी : कांवड़ के बाद उपद्रवियों को चिह्नित कर लगेंगे उनके पोस्टर

एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे। उन्होंने मोदीपुरम में शोभित विश्वविद्यालय के बाहर मंच से हरिद्वार से दिल्ली की तरफजा रहे कावड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इस दौरान उन्होंने कावड़ मार्ग का हेलीकॉप्टर से हवाई निरीक्षण भी किया।

कावड़ियों पर पुष्प वर्षा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए शासन और प्रशासन प्रतिबद्ध है। कांवड़ यात्रा में जो भी विघ्न पैदा करने का प्रयास करेगा उससे सख्ती से निपटा जाएगा। उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस दस्ते तैयार हैं। कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाने का काम भी होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर मार्ग का हेलीकॉप्टर से हवाई निरीक्षण करके मोदीपुरम पहुंचे थे। योगी ने मुजफ्फरनगर में भी पुष्प वर्षा की। वह शिव चौक पर हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूल बरसाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। बाबा औघड़नाथ मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर जैसे पवित्र स्थलों पर श्रद्धालु अपने भाव व्यक्त करेंगे। यह अत्यंत आनंददायक है कि इस यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल होकर सामाजिक समता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें और प्रशासन को तत्काल सूचना दें।

मानसून सत्र के लिये सरकार ने बनाई रणनीति :

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार

एजेंसी। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए।'

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी।

संसद का आगामी मानसून सत्र हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई विवादास्पद मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह एक सार्थक और बहस-आधारित सत्र के लिए पूरी तरह तैयार है।

मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में, विपक्षी नेताओं ने उन प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं। इनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताएं, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकवादी हमला, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का विवादास्पद दावा शामिल है। विपक्ष की रणनीति इन मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही मांगने और जनता का ध्यान आकर्षित करने पर केंद्रित होगी, जिससे सत्र के दौरान तीखी बहस और गतिरोध देखने को मिल सकता है। सरकार ने अपनी ओर से इन चुनौतियों का सामना करने और सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए तत्परता दिखाई है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान हादसा, घोड़े से गिरकर पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी घायल

पिथौरागढ़. एजेंसी

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी

तिब्बत के दारचिन में घोड़े से गिरकर घायल हो गईं। उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। उन्हें रेस्क्यू कर वापस भारत लाया जाएगा। धारचूला के नाभिढांग से उन्हें हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाने की योजना है इसकी तैयारी पिथौरागढ़ प्रशासन ने पूरी कर ली है। ऐसे में साफहै कि अब वह कैलाश मानसरोवर की यात्रा पूरी नहीं कर सकेंगी। पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल थी। सूत्रों के मुताबिक शनिवार यात्री तिब्बत के दारचिन में पहुंचे थे और मीनाक्षी लेखी घोड़े पर सवार थीं। इसी बीच वह घोड़े से गिर गईं। जमीन पर गिरने से उनकी कमर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें यात्रा मार्ग पर संचालित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका एक्स-रे हुआ इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगने की पुष्टि हुई।

ट्रंप के सीजफायर वाले दावे पर उपराष्ट्रपति, कहा- कोई बाहरी ताकत हमें निर्देश नहीं दे सकती

नई दिल्ली एजेंसी - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) कराने के बार-बार किए जा रहे दावों पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ट्रंप का नाम लिए बिना स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामले कैसे संभालने हैं. उपराष्ट्रपति धनखड़ की यह टिप्पणी उस समय आई है, जब विपक्ष लगातार सरकार से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है. भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, बाहरी नैरेटिव से निर्देशित न हों. इस देश में, एक संप्रभु राष्ट्र में, सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को पता है कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है. धनखड़ ने कहा, भारत आपसी सहयोग से काम करता है, परस्पर सम्मान रखता है और अन्य देशों के साथ कूटनीतिक संवाद करता है. लेकिन अंततः हम संप्रभु हैं और हम अपने फैसले खुद लेते हैं।

अवैध मतांतरण व विदेशी फंडिंग में बड़ा खुलासा, ईडी को मिले चौंकाने वाले दस्तावेज

एजेंसी

अवैध मतांतरण और विदेशी फंडिंग के आरोपों में गिरफ्तार किए गए छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, नीतू और नवीन से जुड़े मामलों की परत-दर-परत जांच में बड़े खुलासे हो रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को हालिया छापेमारी में कई चौंकाने वाले दस्तावेज हाथ लगे हैं, जो इस गिरोह के काले कारनामों की पुष्टि करते हैं।

उतरौला नगर स्थित छांगुर के शोरूम से ईडी को हबीब बैंक एजी ज्यूरिख के एक खाते से जुड़े लेन-देन के दस्तावेज मिले हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह खाता किसके नाम है और किस देश की शाखा से संबंधित है। विदित हो कि हबीब बैंक एजी ज्यूरिख की शाखाएं स्विट्ज़रलैंड समेत 11 देशों में हैं। ईडी को ऐसे कई साक्ष्य मिले हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि गिरोह के पास मौजूद धन अपराध की आय है। जांच में यह भी सामने आया है कि करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियों की खरीद-फरोख्त और निर्माण गतिविधियों के लिए धन का हस्तांतरण किया गया है।

17 जुलाई को ईडी ने छांगुर और उसके सहयोगियों के 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सुभाषनगर स्थित 'बाबा ताजुद्दीन आश्री बुटीक' नामक शोरूम से करीब 25 महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। इनमें से कई दस्तावेजों में जिन व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं, उनके बारे में पूरी जानकारी केवल छांगुर या उसकी करीबी सहयोगी नीतू को ही है।

जांच में मिले दस्तावेजों में नासिर वाडीलाल और छांगुर के बीच हुए समझौते, अपरिवर्तनीय पावर ऑफ अटॉर्नी, विभिन्न व्यक्तियों जैसे सफीउल्लाह, समीउल्लाह, प्रदीप बी. तिवारी और राजनारायण आर. सिंह के साथ हुए अनुबंध, और वाहन बिक्री से संबंधित अभिलेख शामिल हैं।

धर्मांतरण रैकेट का किया पर्दाफाश, 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ , उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक और बड़े धर्मांतरण का रैकेट चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह प्रदेश में युवतियों को बरगलाकर, प्रलोभन देकर और कट्टरपंथी सोच के जरिए धर्मांतरण कराने में संलिप्त था। पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए विभिन्न राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए प्रदेशभर में मिशन अस्मिता चलाया जा रहा है। ऐसे में पुलिस को आगरा से दो सगी बहनों के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस ने मामले की जांच की तो अवैध धर्मांतरण का पूरा खेल सामने आया। जांच में पता चला कि दोनों लड़कियों का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण किया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की तह तक जाना शुरू किया।

पायलट की सूझबूझ ने टाली अनहोनी! फुकेत जा रही एयर इंडिया फ्लाइट में आई खराबी, 16 मिनट बाद ही लौटी वापस

नई दिल्ली ,फुकेत जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौट आई। इस उड़ान को पहले फुकेत में सुबह 11.45 बजे उतरना था। बोइंग 737 मैक्स 8 द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स110 ने अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी, लेकिन केवल 16 मिनट की उड़ान के बाद हैदराबाद वापस लौट आई, जिससे यात्री निराश हो गए। एक बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद, हमारी एक फ्लाइट के चालक दल ने अत्यधिक सावधानी बरती और तकनीकी खराबी के कारण हैदराबाद वापस लौटने का फैसला किया।

पीएम मोदी ने की टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन से मुलाकात, कहा- कच्छ की खूबसूरती दिखाने के उनके प्रयास सराहनीय

नई दिल्ली एजेंसी।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को रण उत्सव 2025 कॉफी टेबल बुक भेंट की। प्रधानमंत्री ने रविवार सुबह इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर री-पोस्ट किया। उन्होंने कच्छ की खूबसूरती को दर्शाने के लिए वेणु श्रीनिवासन के प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर री-पोस्ट करते हुए लिखा, मुझे वेणु श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु से मिलकर बहुत खुशी हुई। मैं कच्छ की खूबसूरती को दर्शाने और मोटरसाइकिल सवारों को वहां जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयास की सराहना करता हूं।

दरअसल, वेणु श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बारे में टीवीएस मोटर कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जानकारी दी थी।

उन्होंने टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन के बयान के हवाले से एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

विदेश | जांच में 'इलेक्ट्रिक फायर' का खुलासा,

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : उड़ान के 26 सेकंड बाद ही शुरू हो गई थी गड़बड़ी

नई दिल्ली ,

गत 12 जून को अहमदाबाद में उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान AI-171 की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच टीम को बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के पिछले हिस्से यानी पूंछ (टेल सेक्शन) में एक सीमित इलेक्ट्रिक आग के सबूत मिले हैं, जिससे यह आशंका गहरा गई है कि हादसे की वजह विमान की बिजली प्रणाली में आई कोई बड़ी खराबी हो सकती है।

विमान का टेल सेक्शन मुख्य दुर्घटना और ईंधन विस्फोट में अपेक्षाकृत कम क्षतिग्रस्त हुआ था। जांच में इस हिस्से के कुछ इलेक्ट्रिक पार्ट्स में आग लगने के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह आग उड़ान के दौरान लगी हो सकती है, जो विमान की मुख्य बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी की ओर इशारा करती है। टेल सेक्शन से बरामद सभी उपकरणों को आगे की जांच के लिए अहमदाबाद में सुरक्षित रखा गया है।

जांच टीम को विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से मिला था, लेकिन वह आग में इतनी बुरी तरह जल चुका था कि उससे डेटा निकालना संभव नहीं हो सका। हालांकि, 16 जून को मलबे से बरामद हुए आगे वाले ब्लैक बॉक्स से 49 घंटे की उड़ान जानकारी और क्रैश से ठीक पहले की दो घंटे की ऑडियो रिकॉर्डिंग सफलतापूर्वक निकाल ली गई है।

जांच में यह भी पता चला है कि हादसे वाली उड़ान से ठीक पहले, दिल्ली से अहमदाबाद आई फ्लाइट (AI-423) के दौरान विमान के स्टेबलाइजर पोजीशन ट्रांसड्यूसर में खराबी दर्ज की गई थी। यह पुर्जा विमान के टेल सेक्शन में ही स्थित होता है। हालांकि, अहमदाबाद में मेंटेनेंस टीम ने इसे ठीक करने का दावा किया था, लेकिन अब यह जांच के केंद्र में है। इस थ्योरी को हादसे में एकमात्र जीवित बचे यात्री विश्वाशकुमार रमेश के बयान से भी बल मिलता है, जिन्होंने बताया था कि टेक-ऑफ के बाद केबिन की लाइटें बार-बार बंद हो रही थीं।

भारत ईएफटीए देशों से 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने तैयार

एजेंसी

मुंबई.केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में एसोचैम प्रबंध समिति की बैठक में कहा कि भारत विदेशी निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है और चार यूरोपीय देशों - नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन और आइसलैंड - से 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने की संभावना है. इस अवसर पर मंच पर एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर और एसोचैम के पूर्व अध्यक्ष एवं जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल भी मौजूद थे. श्री गोयल ने यह भी कहा कि ईएफ टीए-भारत एफ टीए समझौता 1 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा.

उन्होंने बैठक में उपस्थित एसोचैम सदस्यों से प्रतिस्पर्धी बने रहने और इन एफ टीए का लाभ उठाने के लिए पैमाने और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया. उन्होंने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला.

इस कार्यक्रम में भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख सीईओ ने भाग लिया, जिनमें वेलस्पन वर्ल्ड के अध्यक्ष श्री बी. के. गोयनका, हीरानंदानी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी, भारतीय परिवहन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल, एम. के. सांघी समूह के अध्यक्ष श्री एम. के. सांघी, कनोरिया फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री सुनील कनोरिया, नाइका की सीईओ सुश्री फाल्गुनी नायर, एल कार्टरटन इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजीव मेहता, आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष श्री अनंत गोयनका और एपीएसी फ इनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री गुनीत चड्ढा आदि शामिल थे. इस कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि एफ्टीआई प्रतिबद्धता आने वाले वर्षों में दस लाख प्रत्यक्ष रोज़गार भी पैदा करेगी और स्विस एसएमई के भारतीय बाज़ारों में प्रवेश के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देगी.

मंत्री महोदय ने कहा, ÷मेरा अनुमान है कि 100 अरब डॉलर का एफ्टीआई, भारतीय प्रमोटर इक्विटी के साथ, जब आपकी कंपनियों में आएगा, तो यह भारत में ब्राउनफ़ील्ड या ग्रीनफ़ील्ड में कम से कम 500 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देगा।

वियतनाम में बड़ा हादसा : टूरिस्ट बोट पलटने से 27 लोगों की मौत, दर्जनों बच्चों समेत कई लापता

एजेंसी

नई दिल्ली. वियतनाम के मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन हालोंग खाड़ी में एक दर्दनाक हादसा हुआ. समाचार के मुताबिक, यहां तूफानी मौसम के बीच एक टूरिस्ट बोट पलट गई, जिसमें अब तक 27 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है. मरने वालों में 8 बच्चे भी शामिल हैं. हादसे के वक्त नाव पर कुल 53 लोग सवार थे. हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब बोट पर सवार लोग पर्यटन का आनंद ले रहे थे. तभी मौसम ने करवट ली और विपहा नाम का तूफान अचानक तेज हो गया. भारी बारिश और बिजली कड़कने की वजह से बोट संतुलन खो बैठी और पलट गई. हादसे के बाद मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. अब तक 11 लोगों को जिंदा बचाया गया है, जबकि कई

अब भी लापता हैं. स्थानीय प्रशासन और बचाव टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि बचे हुए लोगों को जल्द से जल्द खोजा जा सके. हादसे में मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन स्थानीय अखबारों की रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादातर पर्यटक हनोई शहर से थे.

हालोंग खाड़ी और स्टॉर्म विपहा के बारे में हालोंग खाड़ी, वियतनाम की राजधानी हनोई से करीब 200 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है. यह इलाका दुनियाभर के पर्यटकों में बेहद लोकप्रिय है।

मानसून सत्र आज से

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

रूस के समुद्री तट पर 7.4, 6.7 तीव्रता के दो बड़े भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 208 | रायपुर | सोमवार 21 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

कावड़ियों पर पुष्प वर्षा के बाद गरजे योगी

यूपी : कांवड़ के बाद उपद्रवियों को चिह्नित कर लगेंगे उनके पोस्टर

एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे। उन्होंने मोदीपुरम में शोभित विश्वविद्यालय के बाहर मंच से हरिद्वार से दिल्ली की तरफजा रहे कावड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इस दौरान उन्होंने कावड़ मार्ग का हेलीकॉप्टर से हवाई निरीक्षण भी किया।

कावड़ियों पर पुष्प वर्षा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए शासन और प्रशासन प्रतिबद्ध है। कांवड़ यात्रा में जो भी विघ्न पैदा करने का प्रयास करेगा उससे सख्ती से निपटा जाएगा। उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस दस्ते तैयार हैं। कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाने का काम भी होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर मार्ग का हेलीकॉप्टर से हवाई निरीक्षण करके मोदीपुरम पहुंचे थे। योगी ने मुजफ्फरनगर में भी पुष्प वर्षा की। वह शिव चौक पर हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूल बरसाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। बाबा औघड़नाथ मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, दुग्धेश्वरनाथ मंदिर जैसे पवित्र स्थलों पर श्रद्धालु अपने भाव व्यक्त करेंगे। यह अत्यंत आनंददायक है कि इस यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल होकर सामाजिक समता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हर कांवड़ संघ, हर शिवभक्त का कर्तव्य है कि वे ऐसे उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें बेनकाब करें और प्रशासन को तत्काल सूचना दें।

मानसून सत्र के लिये सरकार ने बनाई रणनीति :

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार

एजेंसी। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए।'

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी।

संसद का आगामी मानसून सत्र हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई विवादास्पद मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह एक सार्थक और बहस-आधारित सत्र के लिए पूरी तरह तैयार है।

मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में, विपक्षी नेताओं ने उन प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं। इनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताएं, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकवादी हमला, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का विवादास्पद दावा शामिल है। विपक्ष की रणनीति इन मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही मांगने और जनता का ध्यान आकर्षित करने पर केंद्रित होगी, जिससे सत्र के दौरान तीखी बहस और गतिरोध देखने को मिल सकता है। सरकार ने अपनी ओर से इन चुनौतियों का सामना करने और सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए तत्परता दिखाई है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान हादसा, घोड़े से गिरकर पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी घायल

पिथौरागढ़. एजेंसी

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी

तिब्बत के दारचिन में घोड़े से गिरकर घायल हो गईं। उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। उन्हें रेस्क्यू कर वापस भारत लाया जाएगा। धारचूला के नाभिढांग से उन्हें हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाने की योजना है इसकी तैयारी पिथौरागढ़ प्रशासन ने पूरी कर ली है। ऐसे में साफहै कि अब वह कैलाश मानसरोवर की यात्रा पूरी नहीं कर सकेंगी। पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल थी। सूत्रों के मुताबिक शनिवार यात्री तिब्बत के दारचिन में पहुंचे थे और मीनाक्षी लेखी घोड़े पर सवार थीं। इसी बीच वह घोड़े से गिर गईं। जमीन पर गिरने से उनकी कमर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें यात्रा मार्ग पर संचालित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका एक्स-रे हुआ इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगने की पुष्टि हुई।

ट्रंप के सीजफायर वाले दावे पर उपराष्ट्रपति, कहा- कोई बाहरी ताकत हमें निर्देश नहीं दे सकती

नई दिल्ली एजेंसी - ट्रंप के सीजफायर वाले दावे पर उपराष्ट्रपति धनखड़ का पलटवार, कहा- कोई बाहरी ताकत हमें निर्देश नहीं दे सकती

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) कराने के बार-बार किए जा रहे दावों पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ट्रंप का नाम लिए बिना स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामले कैसे संभालने हैं. उपराष्ट्रपति धनखड़ की यह टिप्पणी उस समय आई है, जब विपक्ष लगातार सरकार से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है.

भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, बाहरी नैरेटिव से निर्देशित न हों. इस देश में, एक संप्रभु राष्ट्र में, सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को पता है कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है. धनखड़ ने कहा, भारत आपसी सहयोग से काम करता है, परस्पर सम्मान रखता है और अन्य देशों के साथ

अवैध मतांतरण व विदेशी फंडिंग में बड़ा खुलासा, ईडी को मिले चौंकाने वाले दस्तावेज

एजेंसी

अवैध मतांतरण और विदेशी फंडिंग के आरोपों में गिरफ्तार किए गए छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, नीतू और नवीन से जुड़े मामलों की परत-दर-परत जांच में बड़े खुलासे हो रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को हालिया छापेमारी में कई चौंकाने वाले दस्तावेज हाथ लगे हैं, जो इस गिरोह के काले कारनामों की पुष्टि करते हैं।

उतरौला नगर स्थित छांगुर के शोरूम से ईडी को हबीब बैंक एजी ज्यूरिख के एक खाते से जुड़े लेन-देन के दस्तावेज मिले हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह खाता किसके नाम है और किस देश की शाखा से संबंधित है। विदित हो कि हबीब बैंक एजी ज्यूरिख की शाखाएं स्विट्ज़रलैंड समेत 11 देशों में हैं। ईडी को ऐसे कई साक्ष्य मिले हैं जो

धर्मांतरण रैकेट का किया पर्दाफाश, 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ , उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक और बड़े धर्मांतरण का रैकेट चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह प्रदेश में युवतियों को बरगलाकर, प्रलोभन देकर और कट्टरपंथी सोच के जरिए धर्मांतरण कराने में संलिप्त था। पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए विभिन्न राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए प्रदेशभर में मिशन अस्मिता चलाया जा रहा है। ऐसे में पुलिस को आगरा से दो सगी बहनों के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस ने मामले की जांच की तो अवैध धर्मांतरण का पूरा खेल सामने आया। जांच में पता चला कि दोनों लड़कियों का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण किया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की तह तक जाना शुरू किया।

इस ओर इशारा करते हैं कि गिरोह के पास मौजूद धन अपराध की आय है। जांच में यह भी सामने आया है कि करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियों की खरीद-फरोख्त और निर्माण गतिविधियों के लिए धन का हस्तांतरण किया गया है।

17 जुलाई को ईडी ने छांगुर और उसके सहयोगियों के 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सुभाषनगर स्थित 'बाबा ताजुद्दीन आश्वी बुटीक' नामक शोरूम से करीब 25 महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। इनमें से कई दस्तावेजों में जिन व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं, उनके बारे में पूरी जानकारी केवल छांगुर या उसकी करीबी सहयोगी नीतू को ही है।

जांच में मिले दस्तावेजों में नासिर वाडीलाल और छांगुर के बीच हुए समझौते, अपरिवर्तनीय पावर ऑफ अटॉर्नी, विभिन्न व्यक्तियों जैसे सफीउल्लाह, समीउल्लाह, प्रदीप बी. तिवारी और राजनारायण आर. सिंह के साथ हुए अनुबंध, और वाहन बिक्री से संबंधित अभिलेख शामिल हैं।

पायलट की सूझबूझ ने टाली अनहोनी! फुकेत जा रही एयर इंडिया फ्लाइट में आई खराबी, 16 मिनट बाद ही लौटी वापस

नई दिल्ली ,फुकेत जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौट आई। इस उड़ान को पहले फुकेत में सुबह 11.45 बजे उतरना था।

बोइंग 737 मैक्स 8 द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स110 ने अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी, लेकिन केवल 16 मिनट की उड़ान के बाद हैदराबाद वापस लौट आई, जिससे यात्री निराश हो गए। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद, हमारी एक फ्लाइट के चालक दल ने अत्यधिक सावधानी बरती और तकनीकी खराबी के कारण हैदराबाद वापस लौटने का फैसला किया।

पीएम मोदी ने की टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन से मुलाकात, कहा- कच्छ की खूबसूरती दिखाने के उनके प्रयास सराहनीय

नई दिल्ली एजेंसी।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को रण उत्सव 2025 कॉफी टेबल बुक भेंट की। प्रधानमंत्री ने रविवार सुबह इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर री-पोस्ट किया। उन्होंने कच्छ की खूबसूरती को दर्शाने के लिए वेणु श्रीनिवासन के प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर री-पोस्ट करते हुए लिखा, मुझे वेणु श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु से मिलकर बहुत खुशी हुई। मैं कच्छ की खूबसूरती को दर्शाने और मोटरसाइकिल सवारों को वहां जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयास की सराहना करता हूं।

दरअसल, वेणु श्रीनिवासन और सुदर्शन वेणु ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बारे में टीवीएस मोटर कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जानकारी दी थी।

उन्होंने टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन के बयान के हवाले से एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

विदेश | जांच में 'इलेक्ट्रिक फायर' का खुलासा,

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : उड़ान के 26 सेकंड बाद ही शुरू हो गई थी गड़बड़ी

नई दिल्ली ,

गत 12 जून को अहमदाबाद में उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान AI-171 की जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच टीम को बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के पिछले हिस्से यानी पूंछ (टेल सेक्शन) में एक सीमित इलेक्ट्रिक आग के सबूत मिले हैं, जिससे यह आशंका गहरा गई है कि हादसे की वजह विमान की बिजली प्रणाली में आई कोई बड़ी खराबी हो सकती है।

विमान का टेल सेक्शन मुख्य दुर्घटना और ईंधन विस्फोट में अपेक्षाकृत कम क्षतिग्रस्त हुआ था। जांच में इस हिस्से के कुछ इलेक्ट्रिक पार्ट्स में आग लगने के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह आग उड़ान के दौरान लगी हो सकती है, जो विमान की मुख्य बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी की ओर इशारा करती है। टेल सेक्शन से बरामद सभी उपकरणों को आगे की जांच के लिए अहमदाबाद में सुरक्षित रखा गया है।

जांच टीम को विमान का पिछला ब्लैक बॉक्स (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से मिला था, लेकिन वह आग में इतनी बुरी तरह जल चुका था कि उससे डेटा निकालना संभव नहीं हो सका। हालांकि, 16 जून को मलबे से बरामद हुए आगे वाले ब्लैक बॉक्स से 49 घंटे की उड़ान जानकारी और क्रैश से ठीक पहले की दो घंटे की ऑडियो रिकॉर्डिंग सफलतापूर्वक निकाल ली गई है।

जांच में यह भी पता चला है कि हादसे वाली उड़ान से ठीक पहले, दिल्ली से अहमदाबाद आई फ्लाइट (AI-423) के दौरान विमान के स्टेबलाइजर पोजीशन ट्रांसड्यूसर में खराबी दर्ज की गई थी। यह पुर्जा विमान के टेल सेक्शन में ही स्थित होता है। हालांकि, अहमदाबाद में मेंटेनेंस टीम ने इसे ठीक करने का दावा किया था, लेकिन अब यह जांच के केंद्र में है। इस थ्योरी को हादसे में एकमात्र जीवित बचे यात्री विश्वाशकुमार रमेश के बयान से भी बल मिलता है, जिन्होंने बताया था कि टेक-ऑफ के बाद केबिन की लाइटें बार-बार बंद हो रही थीं।

भारत ईएफटीए देशों से 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने तैयार

एजेंसी

मुंबई.केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में एसोचैम प्रबंध समिति की बैठक में कहा कि भारत विदेशी निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है और चार यूरोपीय देशों - नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन और आइसलैंड - से 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने की संभावना है. इस अवसर पर मंच पर एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर और एसोचैम के पूर्व अध्यक्ष एवं जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल भी मौजूद थे. श्री गोयल ने यह भी कहा कि ईएफटीए-भारत एफ टीए समझौता 1 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा.

उन्होंने बैठक में उपस्थित एसोचैम सदस्यों से प्रतिस्पर्धी बने रहने और इन एफटीए का लाभ उठाने के लिए पैमाने और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया. उन्होंने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला.

इस कार्यक्रम में भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख सीईओ ने भाग लिया, जिनमें वेलस्पन वर्ल्ड के अध्यक्ष श्री बी. के. गोयनका, हीरानंदानी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी, भारतीय परिवहन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल, एम. के. सांघी समूह के अध्यक्ष श्री एम. के. सांघी, कनोरिया फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री सुनील कनोरिया, नाइका की सीईओ सुश्री फाल्गुनी नायर, एल कार्टरटन इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजीव मेहता, आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष श्री अनंत गोयनका और एपीएसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री गुनीत चड्ढा आदि शामिल थे. इस कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि एफडीआई प्रतिबद्धता आने वाले वर्षों में दस लाख प्रत्यक्ष रोज़गार भी पैदा करेगी और स्विस एसएमई के भारतीय बाज़ारों में प्रवेश के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देगी.

मंत्री महोदय ने कहा, ÷मेरा अनुमान है कि 100 अरब डॉलर का एफडीआई, भारतीय प्रमोटर इक्विटी के साथ, जब आपकी कंपनियों में आएगा, तो यह भारत में ब्राउनफील्ड या ग्रीनफील्ड में कम से कम 500 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देगा.÷

वियतनाम में बड़ा हादसा : टूरिस्ट बोट पलटने से 27 लोगों की मौत, दर्जनों बच्चों समेत कई लापता

पीआईबी

नई दिल्ली. वियतनाम के मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन हालोंग खाड़ी में एक दर्दनाक हादसा हुआ. समाचार के मुताबिक, यहां तूफानी मौसम के बीच एक टूरिस्ट बोट पलट गई, जिसमें अब तक 27 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है. मरने वालों में 8 बच्चे भी शामिल हैं. हादसे के वक्त नाव पर कुल 53 लोग सवार थे. हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब बोट पर सवार लोग पर्यटन का आनंद ले रहे थे. तभी मौसम ने करवट ली और विफा नाम का तूफान अचानक तेज हो गया. भारी बारिश और बिजली कड़कने की वजह से बोट संतुलन खो बैठी और पलट गई. हादसे के बाद मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. अब तक 11 लोगों को जिंदा बचाया गया है, जबकि कई

अब भी लापता हैं. स्थानीय प्रशासन और बचाव टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि बचे हुए लोगों को जल्द से जल्द खोजा जा सके. हादसे में मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन स्थानीय अखबारों की रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादातर पर्यटक हनोई शहर से थे.

हालोंग खाड़ी और स्टॉर्म विफा के बारे में हालोंग खाड़ी, वियतनाम की राजधानी हनोई से करीब 200 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है. यह इलाका दुनियाभर के पर्यटकों में बेहद लोकप्रिय है।

युक्तियुक्तकरण से स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था सशक्त

शिक्षकों का कोई भी पद समाप्त नहीं किया गया है

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप प्रदेश में हुआ स्कूल और शिक्षक युक्तियुक्तकरण

रायपुर, शिक्षा की गुणवत्ता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और नीति-आधारित दृष्टिकोण के साथ संपन्न की गई है। इस प्रक्रिया में शिक्षकों के किसी भी पद को समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और संगठित किया गया है। राज्य में युक्तियुक्तकरण से पहले की स्थिति अत्यंत असंतुलित थी। प्रदेश में शून्य दर्ज संख्या वाली 211 शालाएं संचालित थीं, जिनमें कुछ में शिक्षक पदस्थ भी थे। इसके अतिरिक्त, 453 प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी शालाएं शिक्षक विहीन थीं। साथ ही, 5936 शालाएं एकल शिक्षकीय थीं, जिनमें सभी स्तर की शालाएं सम्मिलित थीं। यह स्थिति निःसंदेह शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही थी। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्राथमिक शालाओं में अनुचित शिक्षक-संख्या की अधिकता देखी गई – 8 प्राथमिक शालाओं में 15 से अधिक शिक्षक, 61 में 10 से 14 शिक्षक, तथा 749 प्राथमिक शालाओं में 6 से 9 शिक्षक कार्यरत थे। पूर्व माध्यमिक स्तर पर भी यही असंतुलन था – 9 शालाओं में 15 या उससे अधिक, 90 में 10 से 14, तथा 1641 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 6 से 9 शिक्षक कार्यरत पाए गए। प्रदेश में कई स्थानों पर एक ही परिसर में प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी शालाएं अलग-अलग प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित थीं, जिससे प्रबंधन में भी जटिलताएँ उत्पन्न हो रही थीं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से कम दर्ज संख्या वाली शालाएं, 01 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित दूसरी शालाओं के समानांतर संचालित थीं। शहरी क्षेत्रों में यह स्थिति और भी अधिक घनत्व वाली थी – 500 मीटर से कम दूरी पर 30 से कम दर्ज संख्या वाली शालाएं संचालित थीं। इस असमानता को समाप्त करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के उद्देश्यों को धरातल पर लागू करने के लिए युक्तियुक्तकरण आवश्यक था।

प्रथम चरण – विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और निर्देशों के आधार पर विकासखंड स्तर पर युक्तियुक्तकरण योग्य विद्यालयों का चयन किया गया, जिसे जिला स्तरीय समिति द्वारा परीक्षण एवं अनुशंसा उपरांत शासन को भेजा गया। इसके आधार पर कुल 10538 विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण किया गया, जिसमें 10372 एक ही परिसर में संचालित विद्यालय, 133 ग्रामीण क्षेत्र की 01 कि.मी. से कम दूरी की शालाएं, तथा 33 शहरी क्षेत्र की 500 मीटर से कम दूरी वाली शालाएं सम्मिलित हैं।

द्वितीय चरण — शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण हेतु अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन एवं गणना प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के प्रावधानानुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत की गई।

राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त करना राजधानीवासियों के लिए गौरव का पल

0 सभापति सूर्यकान्त राठौड़, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर ने दी जानकारी

रायपुर,।

रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ और नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर शहर को मिलियन यानी 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त किया है।

रायपुर को राज्य स्तर में छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे 'प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर' का मिनिस्टीरियल अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय स्तर में कुल 12 शहरों को 7-स्टार का पुरस्कार प्राप्त हुआ है जिसमें से रायपुर नगर निगम ने भी अपना स्थान प्राप्त किया है। इसी के साथ राष्ट्रीय स्तर के 4589 नगरीय निकाय की इस प्रतियोगिता में रायपुर छत्तीसगढ़ का पहला 7-स्टार जी.एफसी. यानी गार्बेज फ्री सिटी भी बन गया है।

राजधानी को 7 स्टार रैंकिंग :

रायपुर ने कुल 12500 अंकों के इस सर्वेक्षण में 11996 अंक प्राप्त किए। अगर रायपुर मात्र 5 अंक और प्राप्त कर लेता तो वह तीसरा स्थान प्राप्त कर लेता। टॉप-3 शहरों में कड़ी प्रतियोगिता थी। टॉप शहर अहमदाबाद और रायपुर के अंकों में मात्र 83 अंकों का अंतर रहा। इस तरह रायपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर बाकी शहरों को कड़ी टक्कर दी।

रायपुर बीते वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के ग्यारहवे स्थान से इस वर्ष चौथे स्थान पर पहुंचा है। यह दिखाता है कि हम स्वच्छता की दिशा में तेजी और सफलता से आगे बढ़ रहे हैं। यह बड़ी उपलब्धियां हैं जो हमारे लिए गर्व का विषय है। यह हम सभी के सामूहिक प्रयासों, प्रतिबद्धता, टीम भावना और जनसहभागिता का ही परिणाम है। हमारे जागरुक नागरिकों, सफाईमित्रों, स्वच्छता दीदियों, शासन, निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों, एनजीओ, सहयोगी संस्थाओं, ब्रांड एंबेस्डर और वॉलेंटियर्स के सहयोग व प्रयास से ही यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में संभव हो पाया है। इसमें पूर्व एवं वर्तमान निगम आयुक्त द्वारा निर्धारित रणनीति एवं दिशा में किए कार्यों एवं प्रयासों की भी अहम भूमिका रही है।

कुशाभाऊ ठाकरे जनसंचार विवि के कुलपति बनने के लिए मची होड़

0 निर्धारित अर्हता में बदलाव करने से अब प्रोफेसर ही बन पाएंगे कुलपति

0 देश भर के जनसंचार विभाग के प्राध्यापक कर रहे गणेश प्रतिमा

रायपुर, । कुशाभाई ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के रिक्त पड़े कुलपति पद के लिए अब कवायद तेज हो गई है राज्य सरकार द्वारा इस पद की अर्हता में ब दलाव करने के पाश्चत अब प्रोफसर ही कुलपति बन पाएंगे। राज्य में इस समय देश की राजधानी तथा अनेक स्थानों से कुलपति पद की दौड़ शामिल में प्रत्याशी राजनीतिक आकाओं से संपर्क साज रहे हैं।

राज्य में कुशाभाऊ ठाकेर कुलपति के बलदेव भाई शर्मा का कार्यकाल पिछले दिनों समाप्त हो गया है लेकिन राज्य में जनपद नगरी निकाय चुनाव के कारण यह साक्षात्कार न हीं हो पाया है राजभवन के निर्देश पर विज्ञापन जारी कर दिया था लेकिन बाद में इसे रद्द कर दिया गया। अब नई अर्हता के साथ साक्षात्कार लिया जाएगा। पहले 20 साल के अनुभवी पत्रकारों को भी औसर दिया जाता था लेकिन अब यह माप दंड बदल दिया गया है। इस पद के लिए प्रोफसर होना जरूरी कर दिया गया है।

राजभवन के अनुसार इस पद के लिए नये सिरे से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। सरकार ने संभागायुक्त महादेव कावरे को कार्रवाहक कुलपति बना दिया गया है। जिसके कारण यहां का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

प्रदेश के अलावा देश के जनसंचार विश्व विद्यालय के प्राध्यापक इस समय कुलपति बनने के लिए उच्च स्तरीय प्रयार कर हे है लेकिन इन्हें कोई पर्याप्त सफलता नहीं मिल पा रही है। कुलपति चयन का अधिकार सिर्फ राज्यपाल को है जिसके कारण मुख्यमंत्री निवास में भी कुलपतियों पद के दावेदारों द्वारा गणेश प्रतिमा जारी है।

ट्रिपल मर्डर में अनाथ हुई ज्योति को मुख्यमंत्री ने दिया का सहारा

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जशपुर से एक ऐसी खबर आई है, जो न केवल सूबे के मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता की मिसाल पेश कर रही है बल्कि यह भी संदेश दे रही है की सूबे के मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता के लिए कितनी चिंता करते हैं।जशपुर जिले के तपकरा में एक ट्रिपल मर्डर की घटना हुई थी जिसमें एक बच्ची ने माँ और उसके दो छोटे भाई-बहनों को खो दिया।दिल दहला देने वाले ट्रिपल मर्डर के बाद बच्ची ज्योति ठाकुर अनाथ हो गई थी। अब सूबे के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बड़ा कदम उठाया है और बच्ची के लालन पालन पढ़ाई और भविष्य में भी हर सम्भव मदद का बीड़ा उठाया है।

वीओ 1- जशपुर के तपकरा में पिछले महीने हुए ट्रिपल मर्डर ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद घटना में ज्योति ठाकुर ने अपनी मां, 14 वर्षीय बहन और 2 वर्षीय छोटे भाई को खो दिया। पति से तलाक के बाद अलग रह रही ज्योति की मां और उसके भाई-बहन की निर्मम हत्या कर उनके शवों को उतियाल नदी के रेत में दबा दिया गया था। उस वक्त ज्योति घर पर नहीं थी, लेकिन इस घटना ने उसके भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया। अपने रिश्तेदारों के घर रह रही ज्योति अपने भविष्य को लेकर चिंतित थी।

वीओ 2- इस मुश्किल घड़ी में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए ज्योति के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ज्योति की स्थिति की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तुरंत इस मामले को संज्ञान में लिया। उन्होंने ज्योति की पूरी शिक्षा का जिम्मा अपने कंधों पर लिया और उसे गणवेश, स्कूली किताबें व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री साय ने उसकी स्थिति को देखते हुए स्कूल की पढ़ाई के बाद उच्च शिक्षा और उसके बाद भविष्य के लिये भी हर सम्भव मदद करने का भरोसा भी दिलाया है। मुख्यमंत्री ने एक ऐसी बच्ची जिसने इस दुखद घटना में अपना सब कुछ खो दिया, उसे सहारा देने का सराहनीय कदम उठाया है। यह न केवल ज्योति के भविष्य को उज्ज्वल करेगा, बल्कि पूरे प्रदेश की जनता सीएम के प्रति भरोसा और उम्मीद भी जगाएगा।

ज्योति को अब न केवल आर्थिक सहायता मिली है, बल्कि उसे अपने सपनों को पूरा करने का हौसला भी मिला है। स्थानीय लोगों ने भी मुख्यमंत्री के इस कदम की जमकर सराहना की है ज्योति ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

(रायपुर) कोयला घोटाला मामले में फ्रार आरोपी देवेंद्र डडसेना गिरफ्तार

रायपुर,(संवाददाता)। कोयला घोटाला मामले में फ्रार आरोपी देवेंद्र डडसेना को एसीबी-ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां देवेंद्र डडसेना को 7 दिनों की ईओडब्ल्यू रिमांड पर भेजा गया। ईओडब्ल्यू आरोपी से कोयला घोटाले को लेकर पूछताछ करेगी। ईओडब्ल्यू के अनुसार आरोपी देवेंद्र डडसेना ने कोयला घोटाले में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपए की वसूली की थी। इस राशि को राजनीतिक कार्यों में खर्च किया गया था।

बता दें कि ईडी की जांच में सामने आया कि कुछ लोगों ने राज्य के वरिष्ठ राजनेताओं और नौकरशाहों से मिलीभगत के बाद ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफ्लाइन कर कोयला ट्रांसपोर्ट करने वालों से अवैध वसूली की। जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच कोयले के हर टन पर 25 रुपये की अवैध लेवी वसूली गई।

ग्रीन आर्मी द्वारा शीतला बाजार में खुलेगा निःशुल्क झोला वितरण केंद्र जो झिल्ली को सरेंडर करेगा उसे ग्रीन आर्मी देगी निःशुल्क झोला

रायपुर, छत्तीसगढ़ः पॉलीथिन के अभिशाप से धरती को मुक्ति दिलाने के अपने महत्वाकांक्षी मिशन में, ग्रीन आर्मी संस्था राजधानी के शीतला बाज़ार, पुरानी बस्ती को पॉलीथिन-मुक्त बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। 5 जुलाई, 2025 को शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत, आज 19 जुलाई को चलाए गए अभियान में उत्साहजनक शुरुआती रुझान देखने को मिले हैं! ग्रीन आर्मी एक माह के भीतर शीतला बाज़ार को पूरी तरह से पॉलीथिन-मुक्त करने के अपने दृढ़ संकल्प की ओर तेज़ी से कदम बढ़ा रही है।

ग्रीन आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने बताया कि यह केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि एक पूर्णकालिक मिशन है, जिसके लिए संस्था की पुरानी बस्ती, ब्राह्मण पारा और बुढ़ापारा की टीमें दिन-रात समर्पित भाव से काम कर रही हैं। आगामी 5 अगस्त तक 'मिशन मोड' पर कार्य करते हुए, ग्रीन आर्मी ने एक विस्तृत 16-सूत्रीय कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें अब कई नए आयाम भी जुड़ गए हैं, जो इस अभियान को और गति प्रदान करेंगे।

पॉलीथिन मुक्त शीतला बाज़ार की दिशा में बढ़ते कदम इस महाअभियान के तहत अब तक हुई प्रगति और आगामी योजनाएं इस प्रकार हैंः

1) निःशुल्क झोला वितरण केंद्र खुलने की तैयारीः शीतला बाज़ार, पुरानी बस्ती में ग्रीन आर्मी द्वारा जल्द ही एक निःशुल्क झोला वितरण केंद्र खोला जाएगा। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य पॉलीथिन का उपयोग करने वाले व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों को जागरूक करना होगा। उन्हें पॉलीथिन को जमा करने और उसके बदले में निःशुल्क कपड़े के झोले प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह पहल पॉलीथिन के सुरक्षित पुनर्चक्रण और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

'प्रोजेक्ट सुरक्षा' के तहत सुरक्षा अधिकारियों को CPR और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

रायपुर, संवाददाता

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा जीवन रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ÷प्रोजेक्ट सुरक्षा÷ के अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में में आज 'प्रोजेक्ट सुरक्षा' के अंतर्गत पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स (PSO) को प्राथमिक उपचार और CPR का जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन वी.आई.पी. सुरक्षा वाहिनी, माना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे PSO के लिए 4वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, माना रायपुर में किया गया। प्रशिक्षण का संचालन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के मास्टर ट्रेनर एवं राजभवन चिकित्सक डॉ. देवेश रायचा ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान, PSO को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षण हेतु CPR तकनीक की जानकारी दी गई। डॉ. रायचा ने बताया कि हृदय गति रुकने की स्थिति में कैसे समय रहते CPR देकर किसी की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षुओं ने तकनीक को न केवल ध्यानपूर्वक सीखा बल्कि उसका प्रायोगिक अभ्यास भी किया। प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रतिभागियों को 'प्रोजेक्ट सुरक्षा फर्स्ट एड किट' प्रदान की गई तथा उपयोग की जानकारी दी गई। जिसमें पैरासिटामोल, गैस की गोली, नॉरफ्लॉक्स-ङ्र्ं, कॉटन, बैंडेज, एडेसिव, बेटाडीन मलहम, ORS जैसे आवश्यक औषधीय सामग्री शामिल है।

एक पेड़ मां के नाम रोपित कर देवेन्द्र नगर सेक्टर -3 उद्यान को हरा -भरा बनाया गया

0 सबने मिलकर विविध प्रजाति के 65 पौधे किये रोपित, 70 पौधे नागरिकों को वितरित

0 राजधानी को हरित, स्वच्छ, सुन्दर बनाने का अभियान

रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग और जोन 2 के तत्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक 2 के अंतर्गत देवेन्द्र नगर सेक्टर -3 क्षेत्र अंतर्गत उद्यान परिसर में किया गया।

नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार संक्षिप्त पौधरोपण आयोजन में पहुंचकर रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, निगम पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष श्री भोलाराम साहू, पार्षद श्रीमती कृतिका जैन, पार्षदगणों ने नागरिकों के साथ मिलकर देवेन्द्र नगर सेक्टर=3 उद्यान परिसर में विविध प्रजाति के 65 पौधों को ट्री गार्ड की सुरक्षा सहित रोपित करते हुए एक पेड़ माँ के नाम महाभियान में रोपित किये गए. वहीं 70 पौधे नागरिकों को निःशुल्क प्रदत्त किए गये. प्रत्येक पौधे को बृक्ष बनते तक पानी खाद आदि डालने की व्यवस्था करवाकर अपनी संतान की भांति समस्त लगाए गए पौधों का समुचित संरक्षण किये जाने की सामूहिक संकल्प समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से दोहराया।

रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष श्री भोलाराम साहू, पार्षद श्रीमती कृतिका जैन ने सभी नागरिकों को रायपुर को हरित, स्वच्छ, सुन्दर राजधानी समर्थ सिटी बनाने अधिक से अधिक संख्या में एक पेड़ माँ के नाम सुरक्षित स्थान पर रोपित कर प्रत्येक पौधे के वृक्ष बनते तक उनकी समुचित देखभाल, सुरक्षा, संरक्षण किये जाने का आव्हान समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नगर निगम रायपुर के पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग की ओर से किया हैं।

पौधरोपण आयोजन में नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के, डोंगरे कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. धृतलहरे, महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं सहित क्षेत्र के निवासी गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में देवेन्द्र नगर सेक्टर -3 उद्यान परिसर में उपस्थिति रही।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

छात्राओं की मानसिक दशा को समझने की आवश्यकता

बालासोर खुदकशी कांड, बालासोर के स्वायत्त कॉलेज की छात्रा ने यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध हो कर खुद को लगाई आग, ओड़िशा कॉलेज आग खुदकशी ओडिशा में बालासोर के स्वायत्त कॉलेज की छात्रा ने यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध हो कर परिसर में ही खुद को आग लगा ली जिसमें वह नब्बे फीसद जल गई। आखिर में छात्रा ने हॉस्पीटल में दम तोड़ा दिया। उसे बचाने का प्रयास करने वाला छात्र भी काफी झुलस गया। छात्रा ने सहायक समीर साहू के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाई थी।

घटना के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया जबकि प्राचार्य व शिक्षा विभाग के प्रमुख को निलंबित कर दिया। यूनिसेफ की रपट कहती है, भारत में उन्नीस साल से कम उम्र 42 प्रतिशत लड़कियों की यौन शोषण होता है। द लैंसेट जरनल द्वारा 1990 से 2023 के दरम्यान किए गए अध्ययन में पाया गया कि भारत में 30 प्रतिशत से अधिक लड़कियां व 13 प्रतिशत लड़के 18 साल का होने से पहले यौन हिंसा का शिकार होते हैं।

भारत में गुरुओं के मेले में मक्खियों की तरह चेले शक्कर, भीड़मभाड़, अव्यवस्था

अजय दीक्षित

गुरु पूर्णिमा के दिन पूरे देश में गुरुओं के मेले लगे , भयानक अव्यवस्था, भीड़मभाड़, सड़कों पर दर्जनों किलोमीटर के जाम, दुर्घटनाएं लेकिन परेशानियों पर आस्था भारी,यही है आज की भारत की तस्वीर। हालांकि धर्म की आलोचना हमेशा मुश्किल है और मुश्किल में डालती है विशेषकर आज की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में ओर भी कठिन है। क्योंकि आबादी का दबाव इस कदर है कि कोई भी व्यवस्था असफल हो सकती है। सीहोर के पास कुबेश्वर में 5 लाख, धूनी वाले बाबा के आश्रम में तीन लाख,मुरैना के नजदीक करह आश्रम में पांच लाख, और दर्जनों किलोमीटर सड़क पर जाम , हजारों राहगीर वाहन,मरीज,परेशान फिर भी आस्था भारी।

धर्म और गुरुओं का चोली दामन का साथ है। सनातन धर्म में गुरुओं और ऋषियों की महान परम्परा रही है।भगवान श्री राम के गुरु ऋषि विश्वामित्र जी, कृपाचार्य,गुरु द्रोण, ऋषि परशुराम आदि का उल्लेख सनातन धर्म में त्रेता, द्वापर युग में है । भगवान श्री कृष्ण सांदीपनी आश्रम में गुरु के पास शिक्षा ग्रहण करने गए थे ऐसा शास्त्र बचन है। लेकिन विगत 25 वर्षों से जो गुरुओं की महिमा मंडित हुई है वह सनातन धर्म की परंपरा के अनुरूप नहीं कही जा सकती है। बागेश्वर धाम छतरपुर विगत रात एक दीवार गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई और 11 घायल हैं।अभी हाल ही में सीहोर पंडित प्रदीप मिश्रा के आश्रम में भगदड़ मच गई। आखिर यह सब किस लिए हो रहा है। गुरुओं के आश्रम में व्यक्ति दो कारणों से जाता था एक शिक्षा ग्रहण करने या तनाव से मुक्ति के लिए मन शांति हेतु।मगर इस भागम भाग के दौर में किसी को क्या हासिल होगा यह समझ से परे है।

कुंभ के मेले में खूब करोड़ों चेले उनके गुरु एकत्रित हुए। मुझे नहीं लगता कि पूरे कुंभ से सनातन माइथॉलजी में या सामाजिक संस्थाओं , रीति रिवाज के लिए कोई सार्थक संदेश निकला हो। अलबत्ता उत्तर प्रदेश सरकार ने अपनी पीठ जरूर थपथपा ली कि संसार के सबसे बड़े आयोजन को संपादित किया। लेकिन भीड़ तो भीड़ है इतने इंतजाम के बाद भी भगदड़ तो मची थी और कई चालीस लोग मौत के शिकार हुए।यह भीड़ का आध्यात्म नहीं है बल्कि भेंड़चाल शब्द अधिक सटीक है लेकिन गुरुओं को इसमें अपनी सफलता प्रतीत होती है।

आजकल गुरुओं के साथ चेले भी शक्कर हो गए हैं।धार्मिक मंदिर,मठ, आश्रम दौलत से भरे पड़े हैं हालांकि कुछ आश्रम सकारत्मक कार्य भी कर रहे हैं परन्तु अधिकांश गुरुओं के आश्रम अपने धनाढ्य चेले के लिए ही है। गुरुओं के दमकते आभा मंडल , ऐश्वर्या देखते ही बनती है। सुपर पावर गाडियां,हवा में उड़ते वायुयान, हेलिकाप्टर,,राजमहल,धन दौलत गरीब , पीड़ित, शोषित, समाज को जैसे चिड़ा रही हो।किसी ने सही कहा है कि भगवान श्री राम बनवास के दौरान परेशान रहे , नंगे पैर चले, भूखे रहे, सबरी के बेर खाए,बन बन भटके और अब उनकी रामकथा सुनाने कथावाचक हेलीकॉप्टर से आ रहे हैं।

यह निजी विचार है।

स्कूलों को उड़ाने की धमकियां : सुरक्षा पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछ ही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं। इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई।

मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है। ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गई, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यतः साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है।

इन डराने एवं खौफपैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है। धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है।

इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा प्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने स्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है।

इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है। शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वास्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें। स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह बड़ा मौका है कि वे अपनी योग्यता प्रमाणित करें। दोषियों तक जल्द पहुंचने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। धमकियां अगर साइबर माध्यम से आ रही हैं, तो क्या हम उनके स्रोतों तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते हैं? कोई दोराय नहीं कि अगर ऐसी धमकियों को रोका न गया, तो इससे विशेष रूप से खुफिया एजेंसियों की साख पर बट्टा लगेगा। अतः ऐसी धमकियों के प्रति अत्यधिक गंभीरता बरतने की जरूरत है। इस तरह की ईमेल धमकियों का सूत्रधार अक्सर विदेशी या वर्चुअल नेटवर्क होते हैं। भारत को अपनी साइबर सेल को और अधिक प्रशिक्षित, तकनीकी और संसाधन-सम्पन्न बनाना होगा ताकि ऐसी साजिशों की जड़ तक पहुँचा जा सके। ध्यान रखना होगा कि स्कूल केवल इमारतें नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के कारखाने हैं। वहां डर और आतंक का माहौल नहीं, बल्कि ज्ञान और विश्वास की नींव मजबूत होनी चाहिए। आज की आवश्यकता है कि सरकार, प्रशासन, स्कूल प्रबंधन, अभिभावक और समाज मिलकर ऐसी धमकियों को केवल सुरक्षा का मुद्दा न मानें, बल्कि इसे राष्ट्रहित और बच्चों के भविष्य के संकट के रूप में देखें। जब तक स्कूलों में सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं होगी, तब तक शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल नहीं हो सकेगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इन घटनाओं पर सख्त होना होगा, अन्यथा जो देश अपने बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकता, वह अपने भविष्य को खो देता है।

यह निजी विचार है।

आज संपूर्ण विश्व में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नाम से जाने पहचाने जाते हैं धीरु भैया

संतोष गंगेले

मध्य भारत के मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के पुलिस थाना बमीठा से 13 किलोमीटर दूर पहाड़ों के बीचों- बीच ग्राम गढ़ा स्थित है । इस छोटे से ग्राम की आबादी लगभग 1500 के करीब बताई जाती है ग्राम में पहले प्राथमिक विद्यालय था वर्तमान में माध्यमिक विद्यालय है । इस ग्राम से 6 किलोमीटर दूर ग्राम गंज जो वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है जहां पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित है ।

4 जुलाई 1996 को प्रातः कालीन ब्रह्म मुहूर्त बेला में श्रीमती सरोज गर्ग पत्नी राम कृपाल गर्ग ने बालक को जन्म दिया है जिसका नाम आज संपूर्ण विश्व में है वह पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नाम से जाने पहचाने जाते हैं और उनके द्वारा अपनी बाल अवस्था से ही हनुमान के बाल रूप में वह बाल लीलाएं करते रहे लेकिन उसे समय पर ना तो उनके माता-पिता भाई बहन समझ सके ।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बचपन का नाम धीरु भैया है और उन्हें आज भी उनकी माता-पिता और बचपन के साथी उन्हें धीरु भैया के नाम से ही पुकारते हैं ।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दादा भगवान दास गर्ग जो सेतु महाराज के नाम से प्रसिद्ध थे और वह घर से गांव के बाहर श्मशान घाट के पास एक छोटे से हनुमान की मूर्ति की सेवा में लगे रहते थे उनकी तपस्या त्याग किसी स्थान पर होता था और छोटे बालक के रूप में हनुमान की सेवा में और दादा की सेवा के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री धीरु भैया हमेशा अपने दादाकी आज्ञा का पालन करते और वहीं पर बैठकर हनुमान चालीसा सुंदरकांड रामायण पाठ भजन कीर्तन अखंड कीर्तन में भाग लेते रहे उनका पढने में मन नहीं लगता था इसलिए पितानाराज होते थे और उन्हें जबरन स्कूल भेजने के लिए कोशिश करते थे । धीरु भैया अपने दोस्तों के साथ स्कूल जाते थे लेकिन जैसे ही दोपहर का समय होता था वह स्कूल से भाग के मंदिर पहुंचने और दादाकी सेवा में लगे रहते थे ।

उनकी सेवा भावना से दादाबहुत ही खुश थे और उन्हें उनके भविष्य की परख थी इसलिए वह उन्हें अपना जीवन की जो विद्या थी जो उन्हें आध्यात्मिक तांत्रिक और ईश्वरी शक्ति थी वह धीरू को देना चाहते थे लेकिन वह परीक्षा की घड़ी अभी काफी दूर थी ।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बताते हैं कि जब वह 11 साल के थे उनके पैर में चोट लगने के कारण उनकी चोट ठीक नहीं हो रही थी पैर में सडन पैदा हो गई मवाद आने लगी लेकिन उन्होंने गांव के हिसाब से नीम की पत्ती नीम की छाल से घाव ठीक करने का प्रयास किया नहीं ठीक हुआ बरसात का समय था दादाके सेवा में पहुंचे तो वह दिव्यांग की तरह चल रहे थे सही तरह से पैदल नहीं चल पा रहे थे बरसात के पानी में पर चल रहा था हनुमान के परम शिष्य पंडित भगवान दास सेतु महाराज ने आज अवसर देखा कि इस बालक को हम अपना चमत्कार दिखाते हैं जैसे ही उनके विश्राम स्थल पर मंदिर के पास पहुंचे दादाने कहा धीरू क्या बात है काफी दिन से सही तरीके से चल नहीं पाते हो सही-सही बताओ उन्होंने कहा कि दादापर में सडन पैदा हो रही है मवाद आ रही है और हॉस्पिटल यहां आस-पास नहीं है मैं ठीक नहीं हो पा रहा हूं मेरा पैर कट जाएगा ।

पंडित भगवान दास सेतु महाराज ने मंदिर की ओर निगाहें मिलाते हुए पास में रखा हुआ एक कपड़ा उठाया पानी में उसको घूमते हुए और धीरे से कहा के प्यार ऊपर करो फेंक कर मार दिया कपड़ा अपने आप पैर के पंजे में लिपट गया और वहां कहा कि 1 घंटे यही बैठो । 1 घंटे तक धीरु भैया दादा के पास बैठे रहे उन्होंने पूछा कि अब कैसा लग रहा है उन्होंने कहा बहुत अच्छा लग रहा है किसी भी तरह का दर्द नहीं है उन्होंने कहा कि बागेश्वर बालाहनुमान का पांच बार नाम लो और कपड़े को हटा दो जैसे ही कपड़े को हटाया वहां किसी तरह के घाव नहीं था ।

बस यही से पंडित धीरेंद्र किसी शास्त्री की धार्मिक यात्रा शुरू हुई और उन्होंने दादाके यहां रहना ही उसे समझा दादा की प्रत्येक आजा प्रश्नों का पालन करते हनुमान की सेवा करते और दादाने उन्हें अपनी धीरे-धीरे सभी क्रियाएं तपस्या त्याग साधना करने की रास्ते बताएं जिसको लेकर के बागेश्वर बालामहाराज की सेवा में लग रहे और 3 वर्षों तक माता-पिता परिवार को बताएं वह अज्ञातवास चले गए और दादाभी गांव छोड़कर बनारस में गंगा घाट पर रहने लगे ।

ऐसा गांव वालों ने और उसे साथियों ने बताया कि पंडित भगवान दास सेतु महाराज ने अपनी मृत्यु की घोषणा और अंतिम इच्छा बनारस में ही अंतिम सांस लेने की बता दी थी उनका अंतिम संस्कार बनारस में हुआ और वहीं से पंडित धीरेंद्र के शास्त्री को धर्म सनातन प्रचार करने के लिए प्रेरणा मिली ।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी गुप्त बातें अपनी माता-पिता और किसी को न बताते हुए उन्होंने मातासे कहा कि मां मैं वृंदावन में राधे कृष्णा के दर्शन करना चाहता हूं और श्रीमद् भागवत कथा पढना है इसलिए हमें कुछ धनराशि बताएं में वृंदावन में रहना चाहता हूं मेरा मन यहां पढ़ाई में नहीं लगता है माताने अपने पुत्र की आज्ञा और उसके संकल्प को पूरा करने के लिए अपने परिवार के लोगों से गांव के लोगों से मदद करने के लिए धनराशि इकट्ठा करना शुरू की हर तरह की समस्याओं से जूझने के बाद मां ने एक-एक रुपया चंदा करके इकट्ठा करके अपने बेटे को 728 रुपया संग्रह करके मथुरा वृंदावन जाने के लिए हल्का-फुल्का आता भुज कर शकर चावल देकर आदेश दिया कि जो श्रीमद् भागवत कथा का अध्ययन करो संस्कृत विद्यालय में पढना ।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ग्राम से पैदल चल के मुख्य सड़क तक पहुंचे वहां से ईश्वर की कृपा से उन्हें एक मित्र ने छतरपुर तक छोड़ दिया छतरपुर से वह हरपालपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और रेलवे स्टेशन से वह मथुरा वृंदावन के लिए सवार हुए रास्ते में रेलवे में उनकी जेब कट गई चोरी हो गई इस समय बिहार के एक टीटीई साहब ने उन्हें बिना टिकट यात्रा करने के लिए पकड़ लिया और पुलिस के हवाले करते हुए कहा कि इस लड़के को हमारे पीछे-पीछे लेकर आओ गाड़ी चेकिंग के बाद जब टीटी ने बालक से पूरा परिचय पूछा और बिना टिकट का कारण पूछा तो उन्होंने संपूर्ण जानकारी सत्य घटना बताते हुए कहा कि हमारी जेब कट गई है हमारे पास पैसे नहीं है हम झूठ नहीं बोल रहे हैं टीटी ने कहा कि कहां जा रहे हो किस तरह से क्या करना है किसी भी उन्होंने टीटी की नेम प्लेट देखी और कहा कि साहब आपके पिता माता का नाम यह है आप इतने भाई बहन हैं आपने कहां-कहां अध्ययन किया है और आप किस परिस्थिति में यहां तक पहुंचे हैं आपके आसपास हो घर का पूरा विवरण बताया तो वह आश्चर्यजनक रह गए छोटा बालक ने हमारे पूरे वंशावली बताई उन्होंने ब्राह्मण के नाते बालक के चरण वंदन करते हुए उन्हें ?1100 अपनी ओर से भेंट की और पूरा पता दिया पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भी पहला चमत्कार वृंदावन जाते हुए टीटीई से शुरू किया मथुरा वृंदावन में रहकर अध्ययन करने के बाद गांव वापस लौटे तो उनकी पहली कथा उनके दोस्त मुबारक खान ने अपने गांव चंद्र नगर से 5 किलोमीटर दूर चुरारन हनुमान देवी मंदिर पर शुरू की 7 दिन की कथा पूरे क्षेत्र में इस प्रकार से ख्याति प्राप्त चर्चित हुई छोटे से बालक ने अपने मुखारविंद से भगवान की लीलाओं का वर्णन और अध्यात्मिकता जागी, भक्तों में यह चर्चा जंगल की आज की तरह फैल गई कि छोटे से बालक के अंदर वेद पुराण शास्त्रों के अनेक उदाहरण दृष्टांत कम उम्र में है जिससे उनकी कथा प्रसिद्ध हो गई कर्मकांडी ब्राह्मण के रूप में और कथा व्यास के रूप में चर्चित हो गए ।

आसपास के ग्रामों में वह पंडित धीरु भैया के नाम से बहुत जल्दी प्रसिद्धि और सिद्ध हो गए धीरे-धीरे उन्होंने दादा गुरु के आश्रम पर पहुंचकर प्रत्येक शनिवार को भूत प्रेत का दरबार लगना शुरू किया लोगों की जानकारी देना शुरू की जिससे वह चर्चित हो गए । उनकी जीवनी के बारे में हजारों हजारों घटनाएं अल्पायु में जानकारी हुई लोगों में ख्याति हुई । पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आसपास के धार्मिक तीर्थ स्थान पर आना-जाना शुरू किया बिजावर जटाशंकर के भोलेनाथ के स्थान पर तपस्या की लोगों से संपर्क स्थापित किया उनके मन में एक संकल्प आया कि गुरु दादा की आज्ञा का पालन करते हुए एक विशाल धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम बागेश्वर बालामंदिर के पास कराया जाए इसके लिए उन्होंने 2016 में धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आसपास के 8 ग्रामों के प्रमुख बुद्धिजीवियों को बुलाया और धार्मिक अनुष्ठान की चर्चा की धार्मिक अनुष्ठान के लिए सभी लोग तैयार हुए मंदिर के पास बहुत ही गंदगी थी आसपास शमशान घाट थे इसकी साफ सफाई की जिम्मेदारी ग्रामीण में उठाई और पंडित धीरेंद्र के शास्त्री ने धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए चित्रकूट से बनारस से संत महात्माओं से संपर्क स्थापित किया और श्रीमद् भागवत कथा संत सम्मेलन आध्यात्मिकता और तांत्रिक शक्तियों से जुड़े संतों का सम्मेलन करके आयोजन शुरू किया 15 दिवस तक क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान चल लोगों ने सहयोग किया ।

विशाल जनमानस के बीच प्रसाद वितरण भंडारे का आयोजन किया गया । कार्यक्रम संपन्न होने के बाद कार्यक्रम की समीक्षा की गई जिसमें लगभग ढाई लाख रुपया आयोजन में उधारी चुकाने का बजट प्रस्तुत किया गया ।

बागेश्वर बालापीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री को जब पता चला कि आयोजन हो चुका है ढाई लाख रुपया कर्जा देना है वह बिना किसी को बताएं अपनी तपस्वी स्थल पर एकांत में बैठकर हनुमान के नाम से रोने लगे और रात्रि में वह बागेश्वर बालामूर्ति के सामने आंसू बहाते रहे पूरी रात नींद नहीं आई सवेरे 4:00 बजे उठकर नित्य क्रिया करने के बाद स्नान करके अपने सभी साथियों से बैठकर चर्चा कर रही थी की ढाई लाख रुपए कर्ज है इसको 3 दिन में अदा करना है किस तरह से चंदा किया जाए सहयोग कियाजाए ।

सभी लोग बैठकर के मंदिर प्रांगण के सामने समस्या समाधान पर चर्चा कर रहे थे तभी चार पहिया वाहन से 5 लोग मंदिर दर्शन करने आते हैं जिसमें से एक व्यक्ति बहुत ही सुंदर आकर्षक और अच्छे परिवार से संबंध स्थापित करने वाले कोई महान महापुरुष थे जिन्होंने दर्शन किए और अपने साथी को इशारा करते हुए कहा कि इसमें पूछो पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री यहां के पुजारी कौन हैं उन्होंने महाराज की ओर इशारा करते हुए कहा उन्होंने प्रणाम दंडवत करते हुए क्षमा मांगते हुए कहा कि महाराज मैं श्रीमद् भागवत कथा धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थित नहीं हो सका कथा बहुत सुंदर सफल रही है मैं कुछ सहयोग करना चाहता हूं पंडित धीरेंद्र शास्त्री के साथ लगभग 20 लोग बैठे थे उन्होंने कहा कि जो भी आप दान दक्षिणा देना चाहते नीचे दान लेने वाले हमारे साथी बैठे हुए हैं आप वहां पर जाकर के अपना दान दे सकते हैं उन्होंने आशीर्वाद लिया और छोटा सा स्थान था वहां पहुंचकर एक बैग रखकर चले गए ।

बागेश्वर बालापीठाधीश्वर सभी साथियों के साथ उतारकर जब वहां अपने तपस्वी स्थल पर पहुंचते हैं तो विवेक को देखकर कहां के व्यक्ति किसका है उन्होंने कहा महाराज की जो पांच लोग आए थे उसमें से एक महापुरुष ने यह बैग रखा है और कहा है कि महाराज के हाथ में सौंप देना उन्होंने सभी के सामने बैक को खोला गया बिजनेस में 2700 रुपया से अधिक की राशि निकली । महाराज ने उन व्यक्तियों को दानदाताओं को काफी खोजने की कोशिश की साइकिल मोटरसाइकिल से देखने का प्रयास किया लेकिन वह जा चुकी थे ।

बागेश्वर बालापीठाधीश्वर पंडित धीरज का शास्त्री ने उसी दिन से संकट लिया किया वह इसी स्थान पर रहकर लोगों का कल्याण करेंगे और जो उन्हें हनुमान का आजा आदेश होगा वह काम करेंगे लगातार काम करते रहे ।

यह बात धीरे-धीरे छतरपुर जिले के अनेक पत्रकारों तक पहुंची मीडिया में खबर आने के बाद नारायण सिंह परमार दैनिक भास्कर के समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ एवं उनके मित्र राकेश सिंह उर्फ रिक्की ने एक योजना बनाते हुए महाराज से निवेदन किया कि आप होटल जटाशंकर पैलेस में एक पत्रकार वार्ता रखें जिसमें छतरपुर जिले के सभी पत्रकारों को आमंत्रित किया जाए और हनुमान के पावन पक्ष स्थल की महिमा समाचार पत्र सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जाना चाहिए जिससे कि इस दिव्य दरबार का लाभ हजारों लोगों को मिल सके । पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को यह बात उत्तम लगी और उन्होंने स्वीकृति प्रदान की छतरपुर के प्रसिद्ध होटल जटाशंकर पैलेस में एक पत्रकारता रखी गई जिसमें लगभग 70 पत्रकारों ने भाग लिया प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम हुआ जिसमें जितेंद्र रिछारिया द्वारा प्रश्नोत्तरी की गई पप्पू गुप्ता संपादक में प्रश्नोत्तरी की सुरेंद्र अग्रवाल ने अपनी बात रखी और नौगांव के संतोष गंगेले कर्मयोगी ने अपनी समस्या को बताया मंच पर बैठे पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एवं डॉक्टर रमाकांत पटेरिया कार्यक्रम का संचालन कर रहे नारायण सिंह परमार के समक्ष सभी प्रश्नों का सही उत्तर देने पर मीडिया की खबरों में बागेश्वर बालापीठाधीश्वर की खबर संपूर्ण बुंदेलखंड में प्रसिद्ध हो गई और शनिवार का दरबार एक दिन और बढ़कर मंगलवार को कर दिया गया धीरे-धीरे महान यज्ञ भंडारी शुरू हुए शहीदों के लिए यज्ञ कराया गया जिसमें यज्ञ आचार्य डॉ रमाकांत पटेरिया और लगभग 200 से अधिक कर्मकांडी ब्राह्मण में इस यज्ञ में भाग लिया श्रीमद् भागवत कथा दिव्या दरबार चल रहा था नौगांव के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी द्वारा उनकी सफलता कार्यक्रम होने के बाद वह महाराज का सम्मान करने के लिए बागेश्वर बालाधाम पहुंचे कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रमाकांत मिश्रा ही कर रहे थे उसे समय छतरपुर के समाजसेवी मुन्नालाल तिवारी एवं महाराजपुर के पंडित रविंद्र पुरोहित सहित 2000 लोग भक्तगण बैठे हुए थे दूर से आते हुए संतोष गंगेले कर्मयोगी को देखते हुए बागेश्वर बालापीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से बोला कि पंडाल में नौगांव से चलकर समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी आ रहे हैं उनके बैग में हनुमान का प्रसाद श्रीफल नारियल उत्तम फुल मालाऐं लिए हुए हैं और वह हमारा सम्मान करने के लिए आ रहे हैं संतोष गंगेले कर्मयोगी अचानक पंडाल में प्रवेश करते हैं और महाराज का स्वागत सम्मान करने के बाद उन्होंने आदेश दिया कि डॉक्टर रमाकांत पटेरिया संतोष गंगेले कर्मयोगी बागेश्वर बालाकी महिमा बताने वाले हैं। इको माइक दिया जाए निश्चित रूप से समाज सेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी 29 अप्रैल 2019 को बागेश्वर बालाको प्रणाम करके ब्रह्मांड में चले गए और उन्होंने हजारों व्यक्तियों की समक्ष बागेश्वर बालाकी महिमा गण शुरू किया और उसे दिन उन्होंने इस बात को प्रमाणित किया था कि यह स्थान अवंत राष्ट्रीय स्थान बनने जा रहा है यहां पर लाखों लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान होगा आने वाले समय में भारत के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति राजनेता शरणागत होंगे और बागेश्वर बालापीठाधीश्वर भारत के ऐसे महान संत होंगे जो अल्पायु में विश्व को ख्याति प्राप्त करेंगे । यह बात बोलते बोलते समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी की आंखों से आंसू गिरने लगे और शरणागत होकर उन्होंने कहा कि उनके ऊपर एक आपराधिक मामले दर्ज किया गया था लेकिन बागेश्वर बालापीठाधीश्वर ने जटाशंकर पैलेस छतरपुर में पत्रकारों के सामने बता दिया था कि यह समस्या 8 दिन बाद हाई कोर्ट के जज द्वारा सुनी जाएगी और अगले मंगलवार को 5:16 पर आपके पास फोन आएगा आपको न्याय मिलने की पूरी संभावना होगी यह हनुमान का आदेश है और वैसा ही हुआ इस घटना को बताने पर उपस्थित जनसमूह में तालिया की गडग़ड़ाहट और खुशियांदौड़ गई ।

यह निजी विचार है।

काशी घोषणापत्र के शुभारंभ के साथ वाराणसी में युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन का समापन

पीआईबी

काशी घोषणा पत्र ने युवाओं के नेतृत्व वाले नशा मुक्ति आंदोलन के लिए 5 साल का रोडमैप निर्धारित किया

120 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों के 600 से अधिक युवा नेताओं ने शिखर सम्मेलन में नशा मुक्त भारत का विजन प्रस्तुत किया

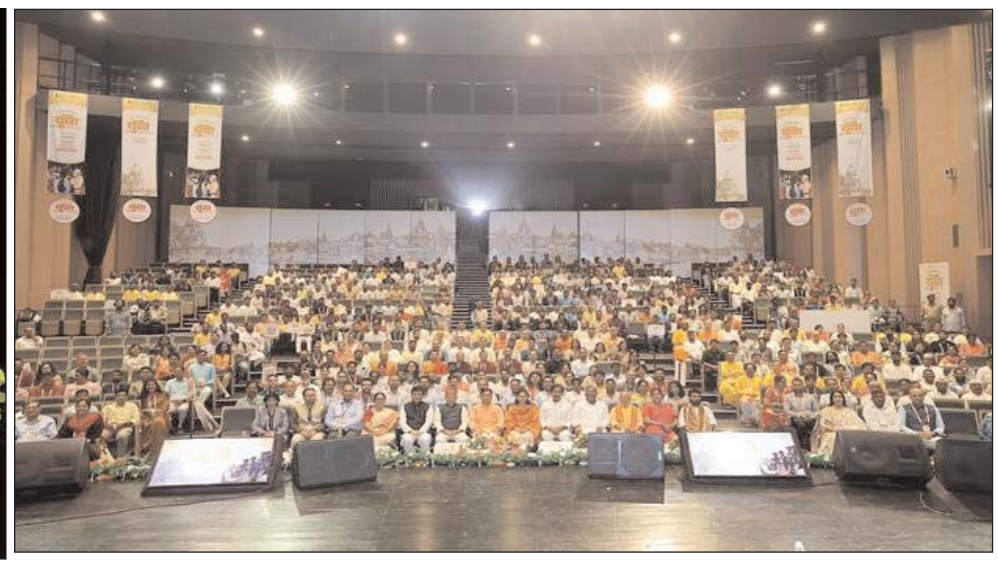

विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन आज वाराणसी के रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में काशी घोषणापत्र को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ संपन्न हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में 600 से अधिक युवा नेता, 120 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और क्षेत्र विशेषज्ञ शामिल हुए। यह आयोजन 2047 तक नशामुक्त समाज की ओर भारत की यात्रा में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित किया।

इस सम्मेलन ने युवा ऊर्जा, आध्यात्मिक दृष्टि और संस्थागत संकल्प के राष्ट्रीय संगम का प्रतिनिधित्व किया। शिखर सम्मेलन में मादक द्रव्यों के सेवन के प्रमुख आयामों पर चर्चा करने के लिए चार केंद्रित पूर्ण सत्र आयोजित किए इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव, मादक पदार्थों की तस्करी और आपूर्ति श्रृंखलाओं की कार्यप्रणाली, जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों की रणनीतियाँ, और पुनर्वास एवं रोकथाम में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं की भूमिका। इन चर्चाओं के आधार पर 'काशी घोषणा' तैयार की गई, जो भारत के सभ्यतागत ज्ञान और युवा नेतृत्व में निहित मादक द्रव्यों की लत के विरुद्ध सहयोगात्मक कार्रवाई के लिए एक दूरदर्शी प्रतिबद्धता है।

शिखर सम्मेलन में, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने इस बात पर ज़ोर दिया: ÷हमने पिछले तीन दिनों में विविध विषयगत सत्रों में गहन चिंतन किया है। इस सामूहिक चिंतन के आधार पर, काशी घोषणापत्र का जन्म हुआ है, न केवल एक दस्तावेज़ के रूप में, बल्कि भारत की युवा शक्ति के लिए एक साझा संकल्प के रूप में।÷

इन विचार-विमर्शों ने काशी घोषणापत्र की बौद्धिक और नैतिक नींव रखी, जिसने अलग-अलग विचारों को राष्ट्रहित में एकजुट किया। आज औपचारिक रूप से स्वीकृत काशी घोषणापत्र, मादक द्रव्यों के सेवन को एक बहुआयामी जन स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती मानने के लिए राष्ट्रीय सहमति की पुष्टि करता है, और एक समग्र सरकार और समग्र समाज दृष्टिकोण का आह्वान करता है। यह व्यसन निवारण, पुनर्वास में सहायता और राष्ट्रीय स्तर पर संयम की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और तकनीकी प्रयासों के एकजुटता पर ज़ोर देता है। यह बहु-मंत्रालयी समन्वय के लिए संस्थागत तंत्र का प्रस्ताव करता है, जिसमें एक संयुक्त राष्ट्रीय समिति का गठन, वार्षिक प्रगति रिपोर्टिंग और प्रभावित व्यक्तियों को सहायता सेवाओं से जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच है। शिखर सम्मेलन की आध्यात्मिक नींव पर आगे डॉ. मांडविया ने कहा: ÷भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा संकट के समय में भारत का मार्गदर्शन किया है। इसलिए आध्यात्मिक संस्थाओं को अब विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। वे इस महाअभियान का आधार बनेंगे।÷

भाजपा नेता विजय गोयल आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर आवारा कुत्तों के आतंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मानसून के मौसम में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण दशाश्वमेध घाट आंशिक रूप से जलमग्न हो गया है।

रोम में 88वीं कोडेक्स कार्यकारी समिति की बैठक में भारत के बाजरा मानक को मान्यता मिली

पीआईबी। पिछले साल कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग (सीएसी47) के दौरान स्वीकृत साबुत बाजरा के लिए एक समूह मानक विकसित करने में भारत के नेतृत्व की सराहना कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग (सीसीएक्सईसी88) की कार्यकारी समिति के 88वें सत्र के दौरान की गई। यह 14 से 18 जुलाई 2025 तक इटली के रोम स्थित एफएओ मुख्यालय में आयोजित किया गया। समिति ने इस कार्य की प्रगति की समीक्षा की, जिसकी अध्यक्षता भारत कर रहा है और माली, नाइजीरिया और सेनेगल सह-अध्यक्ष हैं। इसके लिए संदर्भ की शर्तों को अप्रैल 2025 में आयोजित अनाज, दलहन और फलियों पर कोडेक्स समिति (सीसीसीपीएल11) के 11वें सत्र में अंतिम रूप दिया गया था।

कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग की कार्यकारी समिति (सीसीईएक्सईसी) के निर्वाचित सदस्य के रूप में, भारत ने इस सत्र में भाग लिया, जिसका उद्घाटन खाद्य एवं कृषि संगठन के उप महानिदेशक एवं कैबिनेट निदेशक श्री गॉडफ्रे मैग्वेन्ज़ी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग निवारण एवं नियंत्रण विभाग के सहायक महानिदेशक डॉ. जेरेमी फ्रार ने किया।

शहरों को साइबर सुरक्षा बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शहरी साइबर तैयारी और एसपीवी स्थिरता पर ज़ोर दिया गया

पीआईबी

शहरी कार्यों के बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) ने गृह मंत्रालय (एमएचए) और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से 18 जुलाई 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में शहरों को साइबर सुरक्षा बनाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्रालयों, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसियों, राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुख हितधारकों को भारत के शहरों के सामने बढ़ती साइबर सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए एक सामूहिक रोडमैप विकसित करने हेतु एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें राज्य आईटी और शहरी विकास सचिव, एडीजी, नगर आयुक्त, स्मार्ट शहरों के

सीईओ और सीईआरटी-इन, एनसीआईआईपीसी, आई4सी और एसटीक्यूसी जैसे प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे। श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सचिव, एमओएचयूए; श्री गोविंद मोहन, केंद्रीय गृह सचिव; और श्री भुवनेश कुमार, सीईओ, यूआईडीएआई सहित गणमान्य व्यक्तियों ने विशेष भाषण दिए। मंत्रालय ने शहर-स्तरीय साइबर सुरक्षा ढांचे, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (सीआईएसओ) की अनिवार्य नियुक्ति और साइबर सुरक्षा ऑडिट पूरा करने जैसी प्रमुख पहलों को प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यातायात प्रणालियों, उपयोगिताओं और सार्वजनिक सेवाओं में एकीकृत प्रौद्योगिकियां साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील हैं, जिससे संरचित जोखिम प्रबंधन और अंतर-एजेंसी सहयोग की आवश्यकता होती है। चर्चा में एसपीवी को गतिशील, नवाचार-संचालित निकायों के रूप में पुनः स्थापित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जो दीर्घकालिक शहरी विकास का समर्थन करते हैं। परामर्श संख्या 27 (जून 2025) से आकर्षित होकर, हितधारकों ने परामर्श, निवेश सुविधा, प्रौद्योगिकी एकीकरण और नीति अनुसंधान में एसपीवी की विस्तारित भूमिका पर चर्चा की। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने बढ़ते तकनीक-सक्षम शासन के बीच उभरते साइबर जोखिमों पर ध्यान दिलाया। सम्मेलन का समापन डिजिटल शहरी परिवर्तन के सभी चरणों में साइबर सुरक्षा को शामिल करने और राष्ट्रीय शहरी प्राथमिकताओं के अनुरूप एसपीवी को सशक्त बनाने की आम सहमति के साथ हुआ।

प्रल्हाद जोशी ने राजस्थान में 435 मेगावाट के सौर संयंत्र को हरी झंडी दिखाई, इसे गति और स्थिरता का मॉडल बताया

राजस्थान की लगभग 70 प्रतिशत बिजली क्षमता अब नवीकरणीय ऊर्जा से आती है: श्री प्रल्हाद जोशी

पीआईबी – राजस्थान के रेगिस्तानी परिदृश्य से स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक केंद्र में परिवर्तन को रेखांकित करते हुए, केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि राज्य अब केवल सूर्य का प्रकाश ही नहीं बिखेर रहा है, बल्कि अब आशा, ऊर्जा स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। केंद्रीय मंत्री आज राजस्थान में ज़ेलेस्ट्रा इंडिया द्वारा विकसित 435 मेगावाट की गोरबिया सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने गोरबेया परियोजना को दूरदर्शी नेतृत्व और ईमानदार प्रयासों से संभव होने वाली उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ÷हमारे द्वारा उत्पादित प्रत्येक मेगावाट के साथ, हम सिर्फ बिजली का उत्पादन नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना परिवर्तन की गति और पैमाने को दर्शाती है।

भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन में राजस्थान अग्रणी आठ महीने से भी कम समय में तैयार की गई गोरबिया सौर ऊर्जा परियोजना 1250 एकड़ में फैली है और इसके लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम के साथ 25 वर्ष का विद्युत क्रय समझौता किया गया है। इससे प्रतिवर्ष 755 गीगावाट घंटे स्वच्छ बिजली उत्पन्न होगी, जिससे लगभग 1.28 लाख घरों को बिजली मिलेगी तथा प्रतिवर्ष लगभग 7.05 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

श्री जोशी ने बताया कि राजस्थान की लगभग 70 प्रतिशत बिजली क्षमता अब नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त होती है, जिसमें 35.4 गीगावाट से अधिक स्थापित क्षमता, 29.5 गीगावाट सौर ऊर्जा से तथा 5.2 गीगावाट पवन ऊर्जा से प्राप्त होती है। उन्होंने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विकास में राज्य की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की।

किसानों और समुदायों को सशक्त बनाना

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस परियोजना ने किसानों को भारत की ऊर्जा यात्रा में भागीदार बना दिया है, क्योंकि उपयोग की गई भूमि उनसे पट्टे पर ली गई है, जिससे उन्हें स्थिर आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा, ÷हमारे किसान अब सिर्फ़ अन्नदाता नहीं रह गए हैं। वे अब ऊर्जा प्रदाता भी हैं।÷

निर्माण के दौरान 700 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को रोजगार दिया गया, जिससे आजीविका सृजन और कौशल विकास में योगदान मिला। श्री जोशी ने यह भी बताया कि ऑन-साइट सबस्टेशन और 6.5 किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइन सहित संपूर्ण निकासी अवसंरचना केवल पांच महीनों में पूरी कर ली गई।

नवाचार और भविष्य की तकनीक

इस परियोजना में उच्चतम प्रदर्शन बनाए रखने के लिए उन्नत सौर पैनलों (टॉपकॉन बाइफेशियल मोनो पीईआरसी मॉड्यूल) और 1300 से अधिक रोबोटिक सफाई इकाइयों का उपयोग किया गया है। श्री जोशी ने इसे विश्वस्तरीय सुविधा बताया तथा ऐसी प्रौद्योगिकियों को व्यापक स्तर पर अपनाने का आग्रह किया। आईआईटी बॉम्बे के अपने दौरे का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने पेरोवस्काइट टैंडम सोलर सेल्स पर चल रहे कार्य के बारे में बात की और ज़ेलेस्ट्रा और राजस्थान के अधिकारियों को इस अगली पीढ़ी की सौर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पायलट परियोजनाओं की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया।

देश के पहले सबसे बड़े सर्वेक्षण जहाज (एसवीएल) आईएनएस संध्यायक ने मलेशिया के पोर्ट क्लैंग का दौरा किया

पीआईबी

भारतीय नौसेना के स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित सबसे बड़े सर्वेक्षण जहाज (एसवीएल) आईएनएस संध्यायक ने हाइड्रोग्राफिक सहयोग के लिए 16 से 19 जुलाई 2025 तक मलेशिया के पोर्ट क्लैंग में अपना पहला बंदरगाह दौरा किया। यह यात्रा भारतीय नौसेना हाइड्रोग्राफिक विभाग (आईएनएचडी) और राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक कार्यालय ढांचे के तहत क्षेत्रीय हाइड्रोग्राफिक क्षमता निर्माण में भारत की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करती है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित संध्यायक श्रेणी का पहला हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण जहाज, आईएनएस संध्यायक, फरवरी 2024 में कमीशन किया गया था जहाज में तटीय और गहरे पानी के सर्वेक्षण की पूर्ण क्षमता और समुद्र विज्ञान संबंधी डेटा संग्रह प्रणाली है। इस जहाज पर हेलीकॉप्टर और अस्पताल के कार्यों के साथ खोज और बचाव (एसएआर)/ जैसे मानवीय कार्यों को किया जा सकता है।

क्लैंग बंदरगाह पर पोत की पहली यात्रा का उद्देश्य तकनीकी आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना तथा सर्वेक्षण प्रौद्योगिकियों को साझा करने और सतत जल सर्वेक्षण सहायता जैसे समन्वित सहयोग के माध्यम से संस्थागत संबंधों को मजबूत करना है।

जांजगीर के विष्णु यादव को सर्व यादव समाज के प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी

रायपुर,

जांजगीर चांपा / सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक राजधानी रायपुर में आयोजित की गई थी जिसमें संगठन के विस्तार और युवा नेतृत्व को मजबूती देने के उद्देश्य से प्रमुख नियुक्तियां की गई । इस बैठक में जांजगीर निवासी विष्णु यादव को प्रदेश महामंत्री रूप में मनोनीत किया गया।

नियुक्तियों की अनुशंसा सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु जी एवं सर्व यादव समाज के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष परमेश्वर यादव जी के द्वारा की गई। विष्णु यादव लंबे समय से समाज में युवाओं के बीच सकरी भूमिका निभाते आ रहे हैं , उन्होंने सामाजिक जागरूकता संगठन निर्माण एवं युवाओं में एकता नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने में निरंतर कार्य किया है । उनके सादगी कर्मठता और संगठन के प्रति निष्ठा ही उन्हें इस पद के योग्य बनाती है साथ ही उन्होंने प्रदेश का नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा की मेरे लिए गौरव की बात है प्रदेश नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ दायित्व सौंपा है हम सब पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ समाज की सेवा में तत्पर रहेंगे।

जब्त व 17 राजसात किये गये दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों का किया गया नीलामी

कुल 1274700 रूपए में बोली लगाकर की गई खरीदी

जांजगीर चांपा / जिला पुलिस जांजगीर चांपा द्वारा के द्वारा आबकारी नारकोटिक्स एक्ट एवं पशु तस्करी के मामले में वाहनों को जप्त किया गया था। जिसमें दो पहिया वाहन 14 नग एवं चार पहिया वाहन 3 नग कुल 17 वाहनों को माननीय न्यायालय द्वारा राजसात किए जाने से वाहनों की नीलामी हेतु पूर्व में निविदा जारी किया गया था। जिसके माध्यम से अलग अलग वाहनों के लिए अलग अलग कुल 90 लोगों के द्वारा नीलामी प्रक्रिया में शामिल होने हेतु डीडी जमा किया था। नीलामी प्रकिया के निर्देशों के तहत गठित टीमों की सदस्य की उपस्थित में नीलामी प्रकिया पुलिस लाईन जांजगीर के परेड ग्राउंड में दिनांक 17 जुलाई 25 को की गई थी जिसमें अलग अलग लोगों के द्वारा वाहन की नीलामी प्रकिया में शामिल हुए जिसके द्वारा बोली लगाकर वाहनों की खरीदी की गई। उपरोक्त नीलामी प्रकिया में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, एसडीएम जांजगीर सुब्रत प्रधान, तहसीलदार जांजगीर राजकुमार मरावी, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी, जिला परिवहन अधिकारी, अनु. अधि. लोक निर्माण उपस्थित रहे।

जिले में शिव दर्शन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे राजेश्री महन्त

जांजगीर चांपा / महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज श्रावण मास के द्वितीय सोमवार 21 जुलाई 2025 को जिला जांजगीर चंपा के अनेक स्थानों पर विराजित भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 8:30 से 9:00 के बीच श्री चन्देश्वर महादेव, शिवरीनारायण मठ, चन्द्रचूर्ण महादेव बड़े मंदिर, शिवशंकर जी श्रीराम मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। इसके पश्चात 9:15 बजे श्री लक्ष्मणेश्वर महादेव खरौद, 9:45 श्री जोतगीर बाबा तुस्मा, 10:30 श्री कीर्तिकेश्वर महादेव किरीत, 11:15 श्री लिंगेश्वर महादेव नवागढ़,12:00 बजे श्री कलेश्वर नाथ महादेव पिथमपुर,1:15 श्री तुर्रीधाम महादेव, 2:15 श्री गौरीकन्या महादेव जैजैपुर, 2:45 श्री शिव मंदिर ओडेकेरा, 4:15 श्री सिद्धनाथ बाबा देवपुर, 5:15 बजे श्री शिध्देश्वर नाथ बरगड़ी (बम्हनीडीह) पहुंच कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे रात्रि 9:30 बजे उनका आगमन श्री दूधाधारी मठ रायपुर होगा।

गौठान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

पेड़ लगाना हम सब की जिम्मेदारी है.....कविता डहरिया अध्यक्ष

जांजगीर चांपा। श्रीनंदशवरम् गौ सेवा समिति बलौदा के सदस्यों के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सीएमओ और पार्षदों ने वार्ड क्रमांक 10 रामपुर स्थित गोठान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मां के नाम से प्रेरणा लेकर आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कविता डहरिया ने कहा कि पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी है। औद्योगिकीकरण के कारण पेड़ों की कटाई हो रही है, इसलिए हमें पौधरोपण की गति को दोगुना करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पर्यावरण का संतुलन बिगड़ा तो यह सभी के लिए नुकसानदेह होगा। उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने कहा कि शुद्ध हवा और ऑक्सीजन हमें पेड़ों से ही

मिलती है, इसलिए अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी है। रमाकांत यादव ने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, उनकी देखभाल भी जरूरी है। ट्री गार्ड लगाना, खाद और पानी देना आवश्यक है, अन्यथा पौधरोपण व्यर्थ होगा। गौ सेवा समिति के सदस्य संजय रजक ने बताया कि गोठान में अब तक 70 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। समिति का उद्देश्य और अधिक पौधे लगाना और गौसेवा के क्षेत्र में समर्पित कार्य करना है। इस अवसर पर सीएमओ एचडी रात्रे, पार्षद राजकुमार सोनी, दिल हरण दिवाकर, राम सिंह राजपूत, भीखम सिंह, शिवा देवांगन और समिति के सदस्य मनीष देवांगन, हितेश, संजय रजक, शिवाजी अग्रवाल, श्रीकांत देवांगन, प्रदीप कैवर्त उपस्थित रहे।

6 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब के साथ आरोपी पकड़ाया

जाँजगीर चांपा की कार्यवाही जांजगीर चांपा / आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े एवं जांजगीर चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमति नीलिमा दीघ्रस्कर के विशेष मार्गदर्शन में जिला-जांजगीर में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई । इसमें दिनांक 19 जुलाई 2025 को जप्ती मदिरा 6 बल्क लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब जब्त कर धारा-34(2) दर्ज किया गया है । वृत्त-अकलतरा के आरोपी राजेश जांगड़े पिता भगवान प्रसाद,उम्र-39वर्ष , साकिन- कोटमी सोनार, थाना-अकलतरा ,ज़िला -जाँजगीर चाँपा (छ.ग.)के आधिपत्य से 6 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद होने पर उक्त आरोपियो के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) की कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक शिल्पा दुबे एवं मुख्य आरक्षक अनवर मेनन, गणेश चेलकर , नगर सैनिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जमीन बिक्री के नाम से लाखो रूपये धोखाधडी के फरार आरोपी को बलौदा पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / जमीन बिक्री के नाम से लाखो रुपए धोखाधड़ी के फरार आरोपी को बलौदा पुलिस ने पकड़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी शंकर लाल खुंटे एवं

उनके अन्य साथियों के द्वारा ग्राम कुरमा का विवादित भूमि जो बैंक में बंधक होने के बावजूद भी आवेदिका श्रीमती लता कुर्रे के साथ सौदा कर शपथ पत्र में इकरार कर आवेदिका से अग्रिम राशि 450000 रूपए लेकर जमीन रजिस्ट्री न कर धोखाधडी करना, सौदा रकम को वापस मांगने पर प्रार्थीया को अश्लील गाली गलौच करना जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध दिनांक 12 नवंबर 2024 को थाना बलौदा में अप0क्र0 403/24 धारा 294,506, 419,420,34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

अग्र विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किए गए पवन अग्रवाल, दी जा रही बधाईयां..

जांजगीर-चांपा। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल समाज द्वारा जारी पत्र क्रमांक 174/ AAS / 2025 दिनांक 14 जुलाई 2025 को एक परिपत्र में नैला के वरिष्ठ पत्रकार पवन कुमार अग्रवाल को समर्पित समाज सेवा, सामाजिक चेतना और उल्लेखनीय योगदान के लिए अग्र विशिष्ट सम्मान दिया गया। इस आशय का परिपत्र उन्हें वाट्स एप के माध्यम से मिला हैं । पवन अग्रवाल जिले के कुबेर पारा , नैला के निवासी हैं और प्रिंट मीडिया की दुनिया में प्रतिष्ठा और प्रमाणिकता का पर्याय बन चुके हैं । वह समाज सेवा एवं सामाजिक उत्थान के लिए अपनी निष्ठा के लिए भी जाने जाते हैं । अपनी लेखनी और मीडिया माध्यमों के द्वारा अग्रवाल समाज की रचनात्मक छवि को जन-जन तक पहुंचाने में सेतु का कार्य किया हैं । साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले अग्रवाल सम्मेलन के विविध कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में श्री अग्रवाल का निरंतर सहयोग, अत्यंत सराहनीय प्रेरणास्पद एवं उल्लेखनीय योगदान रहा हैं ।

यह योगदान ना केवल प्रेरणा का स्तोत्र हैं बल्कि हमारी संस्था की विचारधारा को सशक्त अभिव्यक्ति भी प्रदान करता हैं ।

अग्र विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किए गए पवन अग्रवाल एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना.....

लोकप्रिय हिंदी दैनिक स्वदेश ज्योति बिलासपुर छत्तीसगढ़ संस्करण के जांजगीर-चांपा जिला ब्यूरो चीफ के पद पर पवन अग्रवाल कार्यरत हैं। समर्पित सेवा, सामाजिक चेतना और उल्लेखनीय योगदान के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में अग्र विशिष्ट सम्मान प्रदान किया जा रहा हैं।

राजकुमार मित्तल अंतर्जातीय अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने दिया बधाई.....

प्रांतीय चेयरमैन जगदीश प्रसाद अग्रवाल श्री अग्रसेन प्रचार समिति छत्तीसगढ़ की अनुशंसा पर अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने यह सम्मान प्रदान किया। प्रेस क्लब चांपा अध्यक्ष डॉ. कुलवंत सिंह सलूजा , सचिव डॉ मूलचंद गुप्ता , उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता , कोषाध्यक्ष विक्रम तिवारी, डॉ रविन्द्र द्विवेदी तथा साहित्यकार शशिभूषण सोनी प्रेस क्लब जांजगीर के राघवेंद्र पाठक ,सीताराम नायक, देव कुमार पांडे, विजय शर्मा ,कुणाल गुप्ता, राजेंद्र राठौड़, राजेश मोदी सहित सभी सदस्यों , समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों ने पवन अग्रवाल को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया जगत गौरवान्वित महसूस कर रहा हैं ।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक आज

जांजगीर चांपा /

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला जांजगीर चाम्पा की आवश्यक बैठक आज दिनाँक 21 जुलाई 2025 दिन सोमवार को भाजपा कार्यालय जांजगीर में समय 2 बजे रखी गई है । उक्त बैठक में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार तय आगामी कार्यक्रम व पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सम्मेलन की तैयारी के संबंध में कार्ययोजना तैयार करने विशेष रूप से मार्गदर्शन हेतु जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल संभाग सहप्रभारी पिछड़ा वर्ग मोर्चा राजेश यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। सभी भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला के सभी मंडल के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, व ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधुओं से आग्रह किया गया है कि बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।।

अपहृत नाबालिग बालिका को जम्मू कश्मीर तरफसे खोज निकालने में मिली सफलता

जांजगीर चांपा / अपहृत नाबालिक बालिका को सायबर व बम्हनीडीह पुलिस टीम ने जम्मू कश्मीर तरफ से खोज निकाला है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी द्वारा नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर भगा ले गया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 15 जून.2025 को थाना बम्हनीडीह में अपराध क्रं. 56/2025 धारा 137(2) क्व्हस कायम कर विवेचना मे लिया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में व अति पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप व एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में अपृहता एवं आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी । सायबर तकनीकी के माध्यम से उधमपुर जम्मू कश्मीर तरफसे आरोपी सुरेश चौहान के कब्जे से अपृहता को बरामद किया। पूछताछ करने पर शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर कर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार किए जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक भवानी सिंह चौहान थाना प्रभारी बम्हनीडीह, सउनि. सुनील टैगोर, आरक्षक सचेन्द्र साहू, म.आर. रेनू मेश्राम एवं समस्त थाना स्टाप तथा सायबर सेल जांजगीर का विशेष योगदन रहा।

बस्तर में 'बिहान' से लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर महिलाएं

एकीकृत खेती और संबद्ध गतिविधियों से बढ़ रही आय

संवाददाता।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत राज्य में महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। बस्तर जिले में जगदलपुर, तोकापाल, लोहंडीगुड़ा और दरभा - इन चार विकासखंडों में चिन्हांकित 16 इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर्स के माध्यम से लगभग 4600 परिवारों को एकीकृत खेती और संबद्ध गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य समूह से जुड़ी महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे वे सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर सकें।

'बिहान' परियोजना के तहत, पारंपरिक खेती से हटकर उन्नत किस्म के बीजों और नई तकनीकों का उपयोग करके अधिक मात्रा में उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही, पौधों में होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सब्जी उत्पादन से आत्मनिर्भरता की राह

परियोजना के पहले चरण में, स्वसहायता समूह से जुड़ी 1800 से अधिक दीदियों ने अपने घरों के बाड़ी में 5 से 10 डिसमिल भूमि पर लतर वाली सब्जियों जैसे करेला, बरबटी, लौकी, तरोई और गिलकी का उत्पादन शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने मल्चिंग और मचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया है।

ग्राम कलचा के जयंती बघेल बिहान स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और लगभग 15 डिसमिल में सब्जी उत्पादन कर रही हैं। इसी तरह ग्राम नेगीगुड़ा की पद्मा बघेल 'रुपशिला स्व सहायता समूह' से जुड़ी हैं और 10 डिसमिल में सब्जी उगा रही हैं। ग्राम बीजापुट की चंपा बघेल 'जीवन ज्योति स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और 25 डिसमिल में, जबकि ग्राम करणपुर की हीरामणि 'दुलार देई स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और 5 डिसमिल में सब्जी उत्पादन कर रही हैं।

इस पहल से गांवों में सब्जियों का पर्याप्त उत्पादन हो रहा है, जिससे न केवल स्वयं के परिवार के पोषण और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, बल्कि बाजार से सब्जी खरीदने पर होने वाले खर्च में भी कमी आ रही है। इस

बचत राशि का उपयोग महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, संपत्ति निर्माण या नए व्यवसाय में कर सकती हैं।

इसके अलावा, अतिरिक्त सब्जी को स्थानीय बाजारों और छोटी मंडियों में बेचकर महिलाएं अपनी आय बढ़ा रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।द्द भविष्य में, बस्तर में उत्पादित सब्जियों की मांग के अनुरूप जिले के बाहर भी इनकी आपूर्ति की योजना है।

एक सदस्य, कई आजीविका गतिविधियां

'बिहान' परियोजना का लक्ष्य एक सदस्य को तीन से चार आजीविका गतिविधियों से जोड़ना है। इसमें सब्जी उत्पादन के अलावा मक्का, पशुपालन (मुर्गी, बकरी), वनोपज (इमली प्रसंस्करण), मछली पालन और लघु धान्य उत्पादन जैसी संबद्ध गतिविधियां भी शामिल हैं, जो महिलाओं की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 'बिहान' की यह पहल बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे सही मायने में 'लखपति दीदी' बन सकेंगी।

खास खबर

जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 20 जुलाई तक

बिलासपुर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत कौशल तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आटोमोटिव टेक्नॉलाजी, ब्रिकलेयिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन, हेल्थ एवं सोशल केयर, प्लम्बिंग एवं हीटिंग, रिनेवेबल एनर्जी, ग्राफिक्र डिजाईन टेक्नॉलाजी, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, फिल्ड टेक्निशियन इलेक्ट्रानिक्स, मोबाईल फोन टेक्नीशियन इलेक्ट्रानिक्स एवं रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कंडिशनिंग इत्यादि सेक्टर में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 21 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत सत्र 2023-24 से लेकर आज तक प्रशिक्षित एवं प्रशिक्षणरत हितग्राही httpsÑ//cssda.cg.nic.in पर कौशल तिहार टैब को क्लिक कर इच्छुक हितग्राही 20 जुलाई तक पंजीयन कर सकते हैं। जिला स्तर के विजेता राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे।

शासकीय आईटीआई कोटा में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 23 जुलाई तक

बिलासपुर शासकीय आईटीआई कोटा में प्रवेश सत्र 2025-26 एवं 2025-27 में संचालित एकवर्षीय व्यवसाय कोपा, स्टेनो (हिन्दी) तथा द्विवर्षीय व्यवसाय विद्युतकार, फिटर में प्रवेश के लिए 16 से 23 जुलाई तक पुनः आवेदन हेतु रजिस्ट्रेशन पोर्टल खुला है। प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदक स्वयं अथवा किसी भी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से द्धह्लह्लश्चह्य://ष्द्दह्लद्ब.ड्डस्रद्वद्बह्य-ह्यद्बश्ठ्ठह्य.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

चित्ररेखा को मिली जीवन बीमा की राशि

बिलासपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 8 अप्रैल से 31 मई तक चलाये गये प्रदेश व्यापी सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बना।

सुशासन तिहार में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हुआ। इन्हीं में कोटा ब्लॉक के ग्राम कुरदर निवासी श्रीमती चित्ररेखा भी शामिल है। अपनी समस्या के समाधान को लेकर उन्होंने पूरी उम्मीद छोड़ दी थी लेकिन सुशासन तिहार में दिए एक आवेदन से उनकी समस्या का निराकरण हो गया। सुशासन तिहार शिविर के दौरान श्रीमती चित्ररेखा ने कोटा सीईओ से शिकायत की कि उनके पति मानसिंह के मृत्यु के बाद उन्हें जीवन बीमा की राशि नहीं मिल रही है। उन्होंने बताया कि उनके पति का खाता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक बेलगहना शाखा में था। पति के निधन के पश्चात जीवन बीमा की राशि नॉमिनी को प्राप्त नहीं हो रही है। शिकायत प्राप्त होने पर लीड बैंक अधिकारी द्वारा तुरंत मामले का संज्ञान लिया गया।

ट्रांसफर के लिए शिक्षिका से मांगे 2 लाख: शिक्षक गिरफ्तार...

कोरबा । संवाददाता

कोरबा जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विकासखंड कोरबा में पदस्थ शिक्षक विनोद सांडे को 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी शिक्षक ने यह रकम बेला गांव की एक शिक्षिका से ट्रांसफर के नाम पर मांगी थी।

शिक्षिका की शिकायत पर ACB ने बिछाया ट्रैप

ACB अधिकारी ने जानकारी दीः ÷हमें शिक्षिका की ओर से लिखित शिकायत मिली थी कि आरोपी शिक्षक ट्रांसफर कराने के एवज में 2 लाख की मांग कर रहा है। हमने तुरंत ट्रैप टीम गठित की और आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।÷ इस कार्रवाई में रिश्वत की पूरी राशि 2,00,000 नकद जब्त की गई है।

शिक्षिका थी परेशान, आरोपी ने फाइल अटकाने की दी थी धमकी

सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता शिक्षिका काफी समय से अपने तबादले के लिए आवेदन कर रही थी, लेकिन शिक्षक विनोद सांडे ने उसकी फाइल को आगे बढ़ाने के बदले मोटी रकम की मांग की थी। परेशान होकर शिक्षिका नेेष्ट्क्र से संपर्क किया और पूरे मामले की शिकायत की।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज ACB ने आरोपी शिक्षक विनोद सांडे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। उसे हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ जारी है।

कार्रवाई से सरकारी महकमे में मचा हड़कंप -

इस कार्रवाई के बाद कोरबा के शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है किेष्ट्क्र आने वाले दिनों में और भी ऐसे मामलों की जांच कर सकती है।

ट्रांसफर जैसे सामान्य प्रशासनिक कार्य के लिए रिश्वत मांगना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि शिक्षक जैसे पेशे की गरिमा पर भी सवाल खड़े करता है। ACB की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

सड़क दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

कोरबा (संवाददाता)।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना कोरबा-चांपा मार्ग की है। ग्राम उरगा से 200 मीटर आगे अधिवक्ता नरेंद्र जायसवाल की मौत हो गई। वे बाइक से जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

दूसरी घटना बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र में हुई। यहां दो नंबर दफई राखड़ डेम के पास एक राखड़ वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि व्यक्ति का सिर धड़ से अलग हो गया। पहले मामले में 57 वर्षीय नरेंद्र जायसवाल अंजोरीपाली भैसमा के रहने वाले थे। वे रोज की तरह 19 जुलाई को भी जिला न्यायालय कोरबा से रात 10 बजे घर लौट रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। राहगीरों ने 112 और उरगा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा। उरगा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की तलाश की जा रही है।

ग्रामीणों के लिए अटल डिजीटल सुविधा केंद्र बना वरदान, 10.86 करोड़ रुपये का लेन-देन

बिलासपुर (संवाददाता)।

जिले के ग्रामीणों के लिए अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र वरदान साबित हो रहा है। ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ है। ग्रामीणों को अब एक ही जगह में सारी सुविधाएं मिल पा रही है।

जिले के 152 ग्राम पंचायतो को चयनित किया गया गया है, जिसमे से 131 ग्राम पंचायतो का एमओयू पूर्ण हो गया है शेष पंचायतो का एमओयू प्रगति पर है।

एमओयू हुए ग्राम पंचायतो के द्वारा कुल 36 हजार 269 ट्रांजेक्शन हुआ है जिसकी कुल राशि 10 करोड़ 86 लाख 39 हजार 535 रूपये है। पंचायतों में वित्तीय सुविधा को बढ़ावा देने के लिए अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में आम नागरिकों को विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं की डिलीवरी के लिए एक्सेस पॉइंट के रूप में कार्य करने हेतु एवं वंचित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल पंचायत सुविधा केंद्र एक ग्राम पंचायत-एक सीएससी-वीएलई योजना की रूपरेखा तैयार की गयी है। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं, वित्तीय समावेशन, बैंकिंग (नकद वितरण, निकासी, आदि), शैक्षणिक सेवाओं, ई-डिस्ट्रिक्ट (जाति, आय, निवास आदि) सेवाओं को लोगों के घर-द्वार तक पहुंच उपलब्ध कराना है। पंचायतों में ई-गवर्नेंस गतिविधियों को सुगम बनाना पीएम किसान, आयुष्मान कार्ड, ईपीआईसी कार्ड, ई-श्रम कार्ड पंजीकरण, महतारी वंदन और अन्य डिजिटल सेवाएं प्रदान करना है।

भारत माला प्रोजेक्ट मामले में 4 आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत

बिलासपुर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से भारत माला प्रोजेक्ट घोटाले में आरोपी हरमीत खनूजा, विजय जैन, उमा तिवारी और उनके पति केदार तिवारी को बड़ी राहत मिली है। राज्य के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की एकल पीठ ने गुरुवार को इन चारों की नियमित जमानत मंजूर कर दी। हाईकोर्ट का यह फैसला प्रकरण में अब तक की सबसे अहम कानूनी राहत मानी जा रही है। प्रकरण में हरमीत, विजय, उमा और केदार की ओर से वकील मनोज परांजपे और सरफराज खान ने विस्तृत दलीलें पेश करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ जमानत न देने का कोई वैधानिक कारण नहीं है। वहीं, राज्य सरकार और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की ओर से उप महाअधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय ने अपना पक्ष रखा।

मुख्य न्यायाधीश ने दलीलों और दस्तावेज़ों की सुनवाई के बाद यह स्पष्ट करते हुए नियमित जमानत दी, कि यह कोई अंतरिम राहत नहीं है बल्कि कानूनी अधिकार के तहत जमानत दी जा रही है। न्यायालय से राहत मिलने के बाद परिजनों ने संतोष जताते हुए कहा कि हमने हमेशा विश्वास रखा कि सच कभी हारता नहीं।

बिलासपुर को स्वच्छता रैंकिंग में देश में दूसरा स्थान – राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

बिलासपुर देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में आज बिलासपुर शहर को भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। यह सम्मान महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा प्रदान किया गया, जो पूरे शहरवासियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

बिलासपुर की यह उपलब्धि केवल नगर प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सहभागिता और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। यह रैंकिंग शहरवासियों की जागरूकता, सफाई मित्रों की निष्ठा और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

इस अवसर पर नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा - ÷बिलासपुर की यह उपलब्धि केवल नगर पालिका या जनप्रतिनिधियों की नहीं है, बल्कि यह हर उस नागरिक की जीत है, जिसने अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में योगदान दिया। हमारे सफाई मित्रों ने जो अथक परिश्रम किया है, वह इस उपलब्धि की रीढ़ हैं। यह सम्मान हम सभी के लिए प्रेरणा है कि हम शहर को और बेहतर बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करें।÷

उन्होंने यह भी कहा कि यह पुरस्कार एक पड़ाव भर है, हमारी मंज़िल है बिलासपुर को देश का सबसे स्वच्छ, सबसे सुंदर और सबसे नागरिक-मित्र शहर बनाना। स्वच्छता अब केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जनमानस की सोच और जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।

सरकार की मदद से खेती में खुशहाली, किसानों का कहना-अब खेती मुनाफे का सौदा

बिलासपुर खरीफ सीजन में इन दिनों खेती किसानी ने जोर पकड़ लिया है। रोपा और बियासी का काम तेजी से जारी है। ऐसे में शासन द्वारा समय पर खाद बीज की उपलब्धता से किसानों का उत्साह दोगुना हो गया है। बिल्हा ब्लॉक के बैमा-नगोई के किसानों के चेहरे भी खिल उठे है। उन्हे न तो लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है और न ही मंहगे दामों पर बाजारों से बीज या खाद खरीदने की मजबूरी है।

बैमा सहकारी समिति में खाद लेने आए किसान प्रदीप कुमार शास्त्री भी इस बार अच्छी फसल को लेकर आश्वस्त है। सरकारी मदद ने उनके उत्साह को और बढ़ा दिया है। शास्त्री ने बताया कि वे 6 एकड़ में खेती किसानी करते है। समिति से खाद-बीज आसानी से मिल गया। बिना किसी लंबी कतार के उन्हें यूरिया, डीएपी, नैनो डीएपी मिला है। समय पर खाद बीज की उपलब्धता से उन्हें बड़ी मदद मिली है। यह खाद रियायती दर पर होने के साथ ही गुणवत्ता में भी बेहतर है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस बार बेहतर पैदावर होगी। कुछ इसी प्रकार की खुशी जाहिर करते हुए किसान कालिका प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि वे 4 एकड़ में खेती किसानी करते है। इस बार बारिश भी अच्छी हुई है और सरकार द्वारा समय पर खाद बीज उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि परिस्थितियां अनुकूल होने के कारण वे जोर-शोर से खेती किसानी में जुट गए है।

इसी गांव के राजेन्द्र प्रसाद गुरूदीवान ने बताया कि समिति से खाद बीज लेने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो रही है। समिति द्वारा किसानों के लिए एक वाट्सअप ग्रुप बनाया गया है जिसमें सारी जानकारी मिल जाती है और वे समिति आकर खाद बीज ले लेते है। किसानों ने बताया कि उन्हें पीएम किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना का भी लाभ मिल रहा है। किसानों ने कहा कि सरकारी मदद से खेती किसानी अब मुनाफे का सौदा बन गया है।

कलेक्टर ने राज्य मानसिक चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

बिलासपुर लोकशक्ति

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज सेंदरी स्थित राज्य मानसिक चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती रोगियों से चर्चा कर अस्पताल एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। अस्पताल की ओपीडी में पूरे प्रदेश भर से प्रतिदिन 100 से ज्यादा मरीज इलाज एवं परामर्श के लिए आते हैं। कलेक्टर ने चिकित्सालय के महिला वार्ड, पुरूष वार्ड एवं पुनर्वास वार्ड का अवलोकन कर मानसिक रोगियों के बारे में जानकारी लेते हुए उनके लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने पंजीयन कक्ष, दवा वितरण को भी देखा। सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल और सहायक कलेक्टर अरविंथ कुमारन डी भी साथ में मौजूद थे। कलेक्टर ने चिकित्सकों से मरीज़ों को बेहतर इलाज के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दवाई काउंटर में जाकर दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने रसोईघर का अवलोकन करते हुए मरीजों को दी जाने वाली भोजन की जानकारी ली। उन्होंने वार्डों में इलाज करा रहे मरीजों एवं परिजनों से भी मुलाकात कर हालचाल जाना। कलेक्टर ने अस्पताल के बजट एवं दवाइयों की उपलब्धता के बारे में पूछताछ की। बताया गया कि अस्पताल में फिलहाल सभी तरह की जरूरी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने सभी लोगों को समय पर अस्पताल आने के निर्देश दिए। साइकैट्रिस्ट से भी मुलाकात की। कलेक्टर ने स्कूलों और अस्पतालों में नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ इस दिशा में मिलकर काम करने कहा। अधिकारी -कर्मचारियों से उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। सभी ने कहा कि अस्पताल परिसर में एक कैंटीन की आवश्यकता है। पीडब्ल्यूडी को इसके लिए एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को अस्पताल में आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य करवाने कहा। इस दौरान मानसिक चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. जे. पी. आर्य सहित चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

28 साल पुराने विस्फोटक अधिनियम मामले में पुनर्विचार याचिका खारिज

बिलासपुर (एजेंसी)। 1997 से लंबित विस्फोटक अधिनियम के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आरोपी हुन्नैद हुसैन की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है. सत्र न्यायालय द्वारा लगाए गए आरोपों के खिलाफ दायर इस याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की सिंगल बेंच ने साफ कहा कि आरोप तय करना अंतिम फैसला नहीं होता, बल्कि केवल आगे की सुनवाई के लिए एक कानूनी प्रक्रिया है।

यह मामला वर्ष 1997 का है. रायपुर निवासी हुन्नैद हुसैन, जो फर्म मेसर्स तैय्यब भाई बदरुद्दीन के भागीदार हैं, पर आरोप है कि उन्होंने बिना लाइसेंस वाले दो व्यक्तियों- दीपक कुमार और रामखिलावन को विस्फोटक सामग्री बेची थी. गुप्त सूचना पर छापेमारी में इन व्यक्तियों के पास से विस्फोटक बरामद हुए और पूछताछ में उन्होंने हुसैन की फर्म का नाम लिया.

हुन्नैद हुसैन ने तर्क दिया कि जिन दस्तावेजों और गवाहियों के आधार पर उन पर आरोप तय किए गए, वे अधूरे थे और कुछ अहम गवाहों के बयान शामिल नहीं किए गए थे। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि आरोप तय करने के चरण में अदालत अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों की गहराई से जांच नहीं करती. केवल यह देखना होता है कि अभियुक्त के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं।

ग्रीन आर्मी द्वारा शीतला बाजार में खुलेगा नि:शुल्क झोला वितरण केंद्र
जो झिल्ली को सरेंडर करेगा उसे ग्रीन आर्मी देगी नि:शुल्क झोला।

पांगरी गांव में तेंदुए का आतंक, बछड़े का किया शिकार

मोहला/मानपुर/अम्बागढ़ । अंबागढ़ चौकी क्षेत्र के पांगरी गांव में बुधवार रात एक तेंदुआ आबादी क्षेत्र में घुस आया और एक बछड़े का शिकार कर लिया। घटना के बाद से गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए के हमले की पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक, शिकार के बाद तेंदुआ वापस पास के जंगल की ओर लौट गया और इसके बाद किसी अन्य जानवर या व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। गांव में इस घटना के बाद एहतियात के तौर पर वन विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कोटवारों के माध्यम से मुनादी कर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले जंगल की ओर न जाएं और शाम के बाद अति आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। स्थानीय प्रशासन और वन विभाग मिलकर ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

भिलाई में फिर सक्रिय हुआ अमित जोश गैंग, बीएसपी कर्मी पर तलवार से हमला

दुर्ग, जिले के भिलाई शहर में कुख्यात 'अमित जोश गैंग' एक बार फिर से सक्रिय होता नजर आ रहा है। एनकाउंटर में मारे जा चुके अमित जोश के जीजा लकी जॉर्ज और उसके साथी यशवंत नायडू पर बीएसपी (भिलाई स्टील प्लांट) कर्मी चन्द्रकान्त वर्मा पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार, चन्द्रकान्त वर्मा रात 10 बजे सेक्टर-5 मार्केट में सामान लेने गए थे, तभी नीले रंग की एक कार में सवार होकर लकी जॉर्ज और यशवंत नायडू वहां पहुंचे। दोनों ने वर्मा के साथ गाली-गलौच करते हुए तलवार से हमला कर दिया। किसी तरह जान बचाकर चन्द्रकान्त वर्मा वहां से भागे और लिफ्ट लेकर बीएसपी सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है। इलाके में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।

केशकाल में दर्दनाक सड़क हादसा, दो की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

कोंडागांव, । केशकाल क्षेत्र के फरसगांव थाना अंतर्गत एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने बाइक पर सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक कार की छत पर फंस गया और करीब 8 किलोमीटर तक कार के साथ घसीटता चला गया। जब कार बोरगांव के पास पहुंची, तो चालक घायल युवक को वहीं उतारकर भागने की कोशिश करने लगा। उसी दौरान कार अनियंत्रित होकर एक पुल से टकरा गई, जिससे चालक की भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया और दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। मामले की जांच जारी है।

डौंडीलोहारा में ससुर की हत्या का खुलासा, बहु और संगीत शिक्षक गिरफ्तार

बालोद, । जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ एक महिला ने अपने ससुर की हत्या कर दी। इस वारदात में उसके साथ एक युवक भी शामिल था, जो पेशे से संगीत शिक्षक बताया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस समय उजागर हुई जब अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों को मृतक के शरीर पर संदिग्ध चोटों के निशान दिखाई दिए। ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की तो हैरान कर देने वाली सच्चाई सामने आई। जांच में पता चला कि मृतक की बहु को एक युवक संगीत सिखाने के बहाने घर आता-जाता था। दोनों के बीच संबंध विकसित हो गए थे और दोनों ने ससुर को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

सरकार के नीतिगत फैसलों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ के किसानों का मान

साल दर साल बढ़ रहा है किसानों की संख्या, रकबा और उत्पादन

डॉ. ओम डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार के नीतिगत फैसलों एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हैं। इन नीतियों से प्रदेश के किसान निरंतर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदी कर न सिर्फ किसानों का मान बढ़ाया बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य सरकार ने बीते 18 महीने में विभिन्न योजनाओं के तहत् लगभग सवा लाख करोड़ रूपए किसानों के खाते में अंतरित की है। इन कल्याणकारी फैसलों और प्रोत्साहन से साल दर साल किसानों की संख्या, खेती-किसानी का रकबा और उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

बता दें कि देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री साथ के नेतृत्त्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल की अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीति गत फैसलों से खेती-किसानी की नया सम्बल मिला है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों से बीते खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया था। इसी तरह खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में प्रदेश के किसानों से रिकार्ड 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई और धान खरीदी के एवज में किसानों को 34,500 करोड़ रूपए का तत्काल भुगतान किया गया तथा 12 हजार करोड़ रूपए की अंतर की राशि एकमुश्त सीधे किसानों के खातों में अंतरित किया गया।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वायदे को पूरा कर यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी के साथ ही दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड रूपए का भुगतान करके अपना संकल्प पूरा किया, इससे प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। किसानो का मानना है कि राज्य सरकार के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार किसानों की हितैषी है। खेती-किसानी ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा।

छत्तीसगढ़ में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण 01 अप्रैल 2014 से उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण की अधिकतम सीमा 5 लाख रूपए तक है। फसल ऋण में नगद एवं वस्तु का अनुपात 60 अनुपात 40 है। सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से व्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए खरीफ वर्ष 2024 में 15.21 लाख किसानों को 6912 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर वितरित किया गया था। वर्ष 2025 में किसानों को 7800 करोड़ रूपए कृषि ऋण वितरित करने का लक्ष्य है। किसानों को 11 जुलाई की स्थिति में 5124 करोड़ रूपए कृषि ऋण वितरित किए गए हैं। यह किसानों के हित में क्रांतिकारी कदम है। छत्तीसगढ़ में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना लागू की गई है। सौर सुजला योजना के माध्यम से सरकार ने दूरस्थ वनांचल में जहां बिजली की सुविधा नहीं है, वहां किसानों के खेतों में भी इस योजना के माध्यम से सौर सुजला सिंचाई पंप स्थापित कर सिंचाई की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ में किसानों एवं भूमिहीन मजदूरों की स्थिति में सुधार, कृषि एवं सहायक गतिविधियां के लिए समन्वित प्रयास पर राज्य सरकार का फोकस है।

कृषि विभाग के बजट में बीते वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 में 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 13 हजार 435 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है, इसलिए राज्य के बजट में भी कृषि के साथ-साथ ग्रामीण विकास को फोकस किया गया है। यहां धान और किसान एक-दूसरे के पर्याय है। पिछले वर्ष 149.25 लाख मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर राज्य के 25 लाख 48 हजार 798 किसानों से खरीदी की गई है।

ट्रैक्टर से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

बलौदाबाजार, बलौदाबाजार जिले के सलौनी (भाठागांव) इलाके में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तीन युवक बाइक पर सवार होकर गांव लौट रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से उनकी टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर की हेडलाइट चालू नहीं थी, जिससे अंधेरे में यह दुर्घटना हुई। हादसे में उमाशंकर ध्रुव (27) और दीपेंद्र ध्रुव (14) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि यशवंत ध्रुव (19) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति की हैवानियत, पत्नी के साथ किया अमानवीय व्यवहार

बलरामपुर । बलरामपुर रामानुजगंज वाड्रफनगर के त्रिकुंडा थाना क्षेत्र में एक पती ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी जहाँ एक महिला को उसके पति, सास और ससुर ने एक हफ्ते तक बंधक बनाकर बेरहमी से प्रताड़ित किया। पुलिस ने मामले में प्राथमिक की दर्ज कर ली है। आरोप है कि महिला को गर्म सलाखों से जलाया गया और मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसका चेहरा गर्म पानी में डुबोकर मारने की कोशिश की गई।

राज्य के 11 जिलों को भारत सरकार से मिला कैटरेक्ट ब्लाइंडनेस बैकलॉग फ्री स्टेटस (सीबीबीएफएस)

0 स्वास्थ्य विभाग द्वारा दृष्टिहीनता को रोकने के लिए वृहद स्तर पर किया जा रहा है कार्य

0 विगत डेढ़ वर्षों में 1.80 लाख से अधिक सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन संपन्न

0 नेत्रदान को लेकर बढ़ रही है जागरूकता, डेढ़ वर्षों में हुए 351 नेत्रदान

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दृष्टिहीनता की रोकथाम हेतु वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा है। दृष्टिहीनता के प्रमुख कारणों में से एक मोतियाबिंद है, जो सामान्यतः एक आयुजन्य नेत्र रोग है। एक निश्चित आयु के पश्चात इसका होना सामान्य माना जाता है, किन्तु इसका ऑपरेशन कर दृष्टि पुनः प्राप्त की जा सकती है। इसके उपचार हेतु गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन की सुविधा राज्य के 25 जिला चिकित्सालयों एवं 10 चिकित्सा महाविद्यालयों सहित कुल 43 स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है, जहाँ नियमित रूप से नेत्र ऑपरेशन किए जा रहे हैं।

राज्य में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 1,45,580 तथा अप्रैल 2025 से जून 2025 तक 27,245 मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए हैं। प्रदेश में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नेत्र ज्योति योजना संचालित है, जिसके अंतर्गत सभी जिलों को ''कैटरेक्ट ब्लाइंडनेस बैकलॉग फ्री स्टेटस'' (सीबीबीएफएस) प्रदान किया जाना है। इस योजना के अंतर्गत दोनों आंखों में मोतियाबिंद से दृष्टिहीन रोगियों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर ऑपरेशन द्वारा उन्हें दृष्टिहीनता से मुक्त किया जाता है।

अब तक राज्य के 11 जिलों – कबीरधाम, रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, बालोद, दुर्ग, राजनांदगांव, खैरागढ़, रायगढ़, कोरबा एवं बस्तर – को दृष्टिहीनता मुक्त घोषित किए जाने हेतु दावा भारत सरकार को प्रेषित किया गया है। वहीं कांकेर एवं बेमेतरा जिलों के दावों का सत्यापन कार्य प्रगति पर है, जिसके उपरांत प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जाएगा।

दृष्टिहीनता के एक अन्य प्रमुख कारण ग्लॉकोमा की भी पहचान और उपचार हेतु विभाग सजग है। यह आंख की एक जटिल बीमारी है, जिसकी प्रारंभिक अवस्था में रोगी को जानकारी नहीं होती और जब पता चलता है, तब तक दृष्टि का ह्रास हो चुका होता है। इसकी गई दृष्टि वापस नहीं लाई जा सकती। इसकी पहचान केवल नियमित नेत्र परीक्षण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 1052 कोचों में लगा रहा अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे

रायपुर, । यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अब तकनीकी उन्नयन की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे ने अपने 1052 यात्री डिब्बों में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य रेलयात्रा को न केवल सुरक्षित बनाना है, बल्कि लोगों का भरोसा भी बढ़ाना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से गुजरने वाली कई ट्रेनें शामिल हैं। यह पहल प्रधानमंत्री के सुरक्षित और स्मार्ट रेलवे मिशन के अनुरूप है, जिसके तहत पूरे भारतीय रेलवे में तेज़ी से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड ने हाल ही में घोषणा की थी कि देशभर में लगभग 74,000 यात्री कोच और 15,000 इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसी योजना के तहत स्वाष्टक्र ज़ोन में शुरू किया गया यह काम यात्रियों के लिए एक अहम सुविधा है। कैमरों को डिब्बों के प्रमुख स्थानों ङ्क जैसे कि प्रवेश और निकास द्वारों के पास पर लगाया जा रहा है ताकि गतिविधियों पर सटीक निगरानी रखी जा सके। आरक्षित डिब्बों में 4 और अनारक्षित डिब्बों में 6 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इंस्टॉलेशन के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो, जबकि सुरक्षा मानकों को भी मजबूत किया गया है। रेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उच्च गुणवत्ता वाले ऐसे कैमरे चुनें जो स्पष्ट वीडियो रिकॉर्ड कर सकें, चाहे रोशनी कम ही क्यों न हो। इसके अलावा, 'इंडिया एआई' मिशन के अंतर्गत इन कैमरों से मिलने वाले डाटा का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है। यह कदम भारतीय रेलवे की सुरक्षा और स्मार्ट तकनीक के मेल की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय की ऐतिहासिक सौगात, जशपुर जिले के 48 मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृत हुए 2 करोड़ 3 लाख 59 हजार रुपए, धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

जशपुरनगर, । छत्तीसगढ़ के धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को एक बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार जिले के 48 प्राचीन व जनआस्था से जुड़े मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 2 करोड़ 3 लाख 59 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा जारी आदेश में मंदिरों के विकास, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से न केवल धार्मिक आस्था के केंद्रों को नवजीवन मिलेगा, बल्कि यह योजना स्थानीय रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक चेतना को भी सशक्त बनाएगी। गाँव-गाँव में बसे श्रद्धा स्थल अब शासन की योजना से भव्य और सुव्यवस्थित रूप में पुनर्निर्मित होंगे।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ शासन ने धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग ने जिले के विभिन्न मंदिर का जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृति दी हैङ्क ग्राम जामटोली हनुमान मंदिर केन्दपानी 3 लाख रुपए,

ग्राम जामटोली हनुमान मंदिर 2 लाख,ग्राम सिरिमकेला नगेराटुकु मंदिर 5 लाख,ग्राम गट्टीबूढ़ा हनुमान मंदिर रायटोली 3 लाख,ग्राम खटगा हनुमान मंदिर रोतियाटोली 3 लाख,ग्राम दोकड़ा हनुमान मंदिर खुटीटोली 5 लाख,ग्राम दोकड़ा राधाकृष्ण मंदिर डेंबुटोली 5 लाख, ग्राम दोकड़ा हनुमान मंदिर डुमरटोली 3 लाख,ग्राम चेटबा हनुमान मंदिर 5 लाख,ग्राम चेटबा गायत्री मंदिर 5 लाख, ग्राम चेटबा श्रीराम मंदिर नारायण बहली 5 लाख, ग्राम देवरी शिव मंदिर फॉस्कोटोली 5 लाख,ग्राम कटंगखार शिव मंदिर जमुन्दा 5 लाख,ग्राम नारियरडांड हनुमान मंदिर कोगाबहरी 5 लाख, ग्राम शब्दमुंडा छातेस्वर महादेव मंदिर 3 लाख, ग्राम पतरापाली के बजरंगबली मंदिर गरियादोहर 5 लाख, ग्राम कोहलनझरिया जगन्नाथ मंदिर 5 लाख,ग्राम खुटगांव बुढ़ा महादेव शिव मंदिर 5 लाख, ग्राम तुमला शिव मंदिर महादेव गुड़ी 5 लाख,ग्राम सिंगीबहार जगन्नाथ मंदिर 5 लाख ,ग्राम सपाडांड, पंचायत केरसई - बजरंगबली मंदिर 5 लाख,ग्राम अमडीहा - बजरंगबली मंदिर 5 लाख,ग्राम डुमरिया - शिव मंदिर कालादरहा 2 लाख,ग्राम बोखी- शिव मंदिर लकराघरा 3 लाख,

गणेश उत्सव के लिए झांकी समितियों की पुलिस- प्रशासन ने ली गई बैठक

बैठक में झांकी निकलाने का रूट चार्ट व पांडाल व्यवस्था पर चर्चा कर बनाई गई सहमति

राजनांदगांव, (आरएनएस)। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगरवासियो द्वारा चौक चौराहो में गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित किया गया है। समितियो द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक झांकिया निकाल कर शहर में घुमया जावेगा है। जिसमें काफी संख्या में क्षेत्रावासी एकत्रित होकर विसर्जन में सम्मिलित होकर झाकियो का आनंद लेते है। झांकी के दौरान शहर में काफी भीडभाड रहती है। गणेश उत्सव पर्व (झांकी) को शांतिपूर्वक सम्पन्न किये जाने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, अपर कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर व नगर पुलिस अधीक्षक तथा थाना प्रभारीयों की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में झांकी समितियो के सदस्यों की बैठक लिया गया। जिसमें झांकी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पदाधिकारियो द्वारा रोड के बीचो-बीच पंडाल ना लगने व झांकी निकालने के दिन रूट निर्धारण तथा साउंड सिस्टम को लेकर चर्चा हुई, जिस पर सभी समितियां के सदस्यों द्वारा गुरुद्वारा से मानव मंदिर,आजाद चौक,भारत माता चौक, कामठी लाइन,सुरजन गली, रामाधीन मार्ग, तिरंगा चौक होते हुए गंज चौक में झांकी समाप्त करने की बात को लेकर सहमति प्रदान किया गया तथा साउंड सिस्टम के लिए शासन प्रशासन के दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए झांकी निकालने के बात पर सहमति दिए,सुरक्षा संबंधित तथ्यो पर विचार किया गया तथा समिति के सदस्यो को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये और उनके सुझाव भी सुने गये।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)